आषाढ़ शुक्ल पक्ष -7, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 22 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 जुलाई 2024 शुक्रवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

प्राकृतिक रूप से तालाबों का पानी स्वच्छ करने की नई मुहिम...

तालाबों के नवजीवन व निवेश को प्रोत्साहन के मिशन पर सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज जल स्त्रोतो के पुनर्जीवन नीर नवजीन परियोजना की शुरूआत की। वहीं कल से वे औद्योगिक निवेश की अभियान पर निकल रहे हैं।

नवजीवन प्रोजेक्ट जिला प्रशासन व नगर निगम भोपाल के सहयोग कक्षा 12वीं की छात्रा सुश्री ईशान अग्रवाल द्वारा यह परियोजना प्रारंभ की गई है। इसकी शुरूआत नए शहर के पांच नंबर मार्केट के निकट स्थित झील बाल उद्यान से की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत प्राकृतिक रूप से तालाब के पानी को स्वच्छ किया जाएगा। इसके अंतर्गत फाउंटेन, पेड़ पौधों तथा उपयुक्त जीवों के माध्यम से जल स्वतः स्वच्छ होता रहेगा। यह तकनीक किफायती है पर वर्तमान परिस्थितियों में इसका प्रभाव और महत्व बहुत अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान जीवन शैली के परिणाम स्वरुप जल के उपभोग से आई विकृति का उपचार करने का यह अद्भुत नवाचार है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने भोपाल पर विशेष कृपा की है, वर्षा ऋतु में भोपाल की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है । ताल तलैया झील और 1000 साल पहले निर्मित बड़े तालाब से अद्भुत छटा निर्मित होती है। भोपाल का बड़ा तालाब बांध निर्माण का सर्वोत्तम उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने यहां बरगद का पौधा भी रोपा। उनके साथ महापौर मालती राय सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, रघुनंदन शर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मुंबई में उद्योगपतियों से करेंगे बात

अफसर अलग-अलग प्रमुख शहरों में जाकर करेंगे मध्यप्रदेश की ब्रांडिंग

मुख्यमंत्री यादव कल मुंबई में उद्योगपतियों व उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से चर्चा करने औद्योगिकरण व निवेश प्रयासों की नयी शुरूआत कर रहे हैं। वहीं वरिष्ठ अधिकारी अलग-अलग राज्यों के प्रमुख शहरों में जाएंगे और वहां उद्योगपतियों को एक मंच पर लाएंगे,ताकि उन्हें मप्र में निवेश करने के लिए ब्रांडिंग की जा सके। सूत्रों की मानें तो यादव सरकार आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश में है। ताकि रोजगार का पहिया तेजी से घूमे मगर यह तभी संभव है जब नए उद्योग आएं। इसीलिये 2025 को उद्योग वर्ष बनाने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 में भोपाल में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रस्तावित है। इसीलिए मुंबई को मुख्यमंत्री का पहला पड़ाव बनाया गया है, यहां कई प्रमुख व्यावसायिक संगठनों, कंपनियों का मुख्यालय व एशिया का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज भी है।

बारिश कराने वाला सिस्टम पड़ा पस्त, कुछ दिन तेज बारिश नहीं

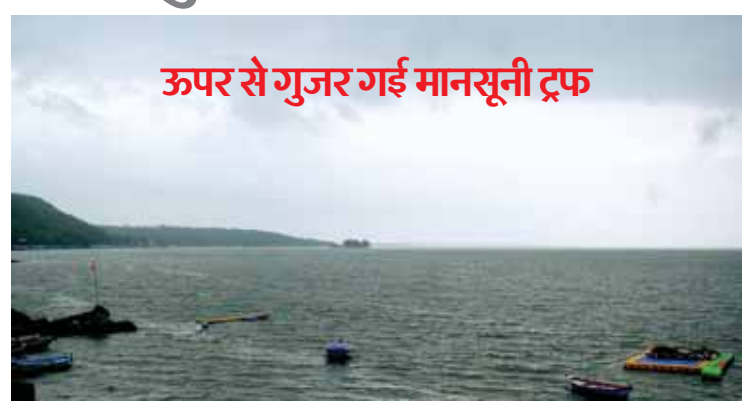

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में मानसून के मौजूदा सिस्टम का असर कम होने लगा है। राजधानी भोपाल में तो चार दिन से बारिश के बजाए कहीं कहीं बूंदाबांदी ही हुई है। कई शहर उमस से बैचेन होने लगे हैं। इसकी वजह मानसूनी ट्रफ ऊपर निकल जाना बताई जा रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर भी कम हो गया है। वहीं, वर्तमान में स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं है। लिहाजा प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर थम गया है। कल भी पूर्वी हिस्से के 12 जिलों में बारिश हुई, जबकि पश्चिमी हिस्से में सिर्फ दो जिले बैतूल-गुना ही थोडा भीगे। आज भी यही आलम रहेगा। नमी और लोकल सिस्टम की वजह से शुक्रवार को शिवपुरी, अशोकनगर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, सागर, बैतूल में जरूर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने भी मान लिया हैकि अभी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। मगर आने वाले दिनों में भारी बारिश होगी।

याचिकाकर्ता को हाइकोर्ट जाने के निर्देश

हाथरस भगदड़ मामले पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

नई दिल्ली , एजेंसी।

उप्र के हाथरस भगदड़ की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। 2 जुलाई को हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई थी। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह एक परेशान करने वाली घटना है, लेकिन वह इस मामले पर विचार नहीं कर सकती और हाईकोर्ट ऐसे मामलों से निपटने के लिए सशक्त न्यायालय है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी याचिका लेकर उच्च न्यायालय जाए।

दरअसल, अधिवक्ता विशाल तिवारी ने याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और अधिकारियों, कर्मचारियों व अन्य के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की थी। साथ ही राज्यों को किसी भी धार्मिक या अन्य आयोजनों में जनता की सुरक्षा के लिए भगदड़ या अन्य घटनाओं को रोकने के दिशा निर्देश जारी करने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। ज्ञात हो कि हाथरस के सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी गांव में साकार विश्वहरि बाबा उर्फ भोले बाबा सत्संग में 80 हजार लोगों की अनुमति के बावजूद करीब 2.50 लाख से अधिक लोग आ गए थे। बाद में यहां भगदड मच गई।

सुप्रीम कोर्ट ने मामला बड़ी बेंच को भेजा

केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत, लेकिन रिहाई नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज शराब नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने

अंतरिम जमानत दे दी है। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बेंच को भेज दिया है। केजरीवाल के वकील ऋषिकेश कुमार ने बताया कि 'सुप्रीम कोर्ट ने धारा 19 और गिरफ्तारी की आवश्यकता का मुद्दा बड़ी बेंच को भेज दिया गया है। केजरीवाल को सीबीआई से जुड़े मामले में जमानत नहीं मिली है, ऐसे में वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे।' बताया जाता है कि अब सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी. इस मामले में चीफ जस्टिस तीन जज नियुक्त करेंगे। ऐसे में फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे अभी वे सीबीआई की कस्टडी में हैं। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने अपने फैसले मे तीन सवाल तय करते हुए मामले को बड़ी बेंच के समक्ष भेजा है कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल को उनकी गिरफ्तारी के कारण पद छोड़ने का निर्देश नहीं दे सकती हैं, यह उनका खुद का फैसला होगा। अदालत ने ये भी कहा कि सिर्फ पूछताछ के आधार पर गिरफ्तारी की अनुमति नहीं दी जा सकती।

नेपाल में लैंडस्लाइड : दो बसें बहीं 7 भारतीयों की मौत, 62 लापता

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल में लैंडस्लाइड के बाद दो बसें एक नदी में बह गई हैं। इस हादसे में सात भारतीयों की मौत हो गई है, जबकि, बस में सवार करीब 62 यात्री लापता हैं। हादसे की भयावहता को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। इस हादसे के बाद अब तक सिर्फ 3 लोग जिंदा बचे हैं। बस में करीब एक दर्जन भारतीय नागरिक सवार थे। वीरगंज से काठमांडू जाने वाली एक बस त्रिशूली नदी में गिरी। बताते हैं कि सड़क विभाग ने नारायणघाट काठमांडू सड़क खंड को पंद्रह दिनों के लिए बंद कर दिया था लेकिन इसके बाद भी यातायात सेवा बहाल है। दरअसल, नेपाल में ज्यादा बारिश होने के कारण अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हो रही है, जिससे कई सड़कें बंद कर दी गई है।

सेंसेक्स फिर उछला निफ्टी हाई पर

मुंबई। सेंसेक्स ने आज फिर जोर मारा है। कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन 900 अंक से ज्यादा चढ़कर 80,893 के रिकॉर्ड

हाई पर पहुंच गया। निफ्टी भी 270 अंक ऊपर है, यह 24,592 के ऑलटाइम हाई पर पहुंची है। हालांकि, अभी बाजार रिकॉर्ड हाई से थोड़ा नीचे आया है। दोपहर तक सेंसेक्स 700 अंक और निफ्टी 200 अंक ऊपर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट है।

महाराष्ट्र में 11 एमएलसी के चुनाव में खेला की आशंका

मुंबई, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के बाद आज महाराष्ट्र में एनडीए तथा इंडिया ब्लॉक के बीच फिर बड़ी सियासी जंग शुरू हो गई है। महाराष्ट्र विधान परिषद की 11 सीटों के लिए चुनाव चल रहा है और चुनाव की खास बात यह है कि यहां 11 सीटों के लिए 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान शाम 4 बजे तक चलेगा। इसमें शिवसेना के संजय गायकवाड़ ने गुप्त मतदान प्रणाली के जरिए अपना वोट डाल दिया है, वह वोटिंग करने वाले पहले व्यक्ति हैं। इस बीच कांग्रेस ने रिटर्निंग ऑफिसर से मांग की है कि वह बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड़ को वोट ना डालने दें। कांग्रेस का कहना है कि गायकवाड़ शिवसेना नेता पर गोली चलाने के आरोपी हैं.। वहीं आज एमएलसी चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस के 37 में से 3 विधायक पार्टी की मीटिंग में शामिल नहीं हुए हैं। इनमें से एक जितेश अंतापुरकर कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आने वाले पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के खास हैं। दूसरे विधायक का नाम जीशान सिद्धीकी है, जो हाल ही में अजित गुट में शामिल होने वाले बाबा सिद्धीकी के बेटे हैं। तीसरे विधायक का नाम संजय जगताप हालांकि, वह 'वारि' में शामिल होने गए हैं। वह जुलूस के साथ पंढरपुर जा रहे हैं. कांग्रेस का कहना है कि जगताप ने इस बारे में सूचना दे दी है।

जस्टिस संधावालिया बने मप्र हाइकोर्ट के नए सीजे

जबलपुर , एजेंसी।

अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी जस्टिस रह चुके हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने इसका प्रस्ताव भेजा था। जस्टिस संधावालिया को 30 सितंबर 2011 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का एडिशनल जज बनाया गया था। 24 जनवरी 2014 को वे स्थायी जज बन गए थे। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में उनके पूर्ववर्ती जस्टिस शील नागू को 4 जुलाई को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया था। जस्टिस संजीव सचदेवा तब से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस के रूप में कार्य कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर टीम इंडिया के नए हेड कोच पर गंभीर नजर आ रहा है बोर्ड

गंभीर के पसंदीदा स्टाफ पर बीसीसीआई की न!

नई दिल्ली , एजेंसी।

सबसे कम उम्र के भारतीय टीम हेड कोच गौतम गंभीर को बीसीसीआई अभी पूरी तरह फ्री हैंड देने के मूड में नहीं नजर आ रहा हैं, हालांकि यह तो काफी समय से तय माना जा रहा था कि गंभीर ही टीम इंडिया के हेड कोच होंगे और वह अपनी शर्तों पर काम करेंगे। मगर सच्चाई तो इससे कोसों दूर नजर आ रही है। आलम यह है कि फिलहाल तो गंभीर तो अपनी पसंद का सपोर्ट स्टाफ तक नहीं चुन पा रहे हैं। एक के बाद एक बीसीसीआई ने उनकी दो मांगों को सिरे से खारिज कर दिया है। गंभीर जिन चेहरों को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल करना चाहते हैं, भारतीय क्रिकेट बोर्ड उन्हें नकार रहा है। पहले गंभीर के बॉलिंग कोच की पसंद आर विनय कुमार को रिजेक्ट किया गया अब फील्डिंग कोच पर भी ऐसे ही हालात नजर आ रहे हैं।

दरअसल, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की तरह, भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे और क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप का कार्यकाल भी टी-20 विश्व कप के साथ खत्म हो चुका है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने द्रविड़, राठौड़, म्हाम्ब्रे और दिलीप को उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे श्रीलंका दौरे से हेड कोच गंभीर की अगुवाई में एक नए कोचिंग स्टाफ का संकेत मिला।

परंपरागत रूप से, बीसीसीआई मुख्य कोच को अपना सहयोगी स्टाफ चुनने की अनुमति देता है और यही बात गंभीर पर भी लागू होगी। बावजूद बोर्ड द्वारा गेंदबाजी कोच और फील्डिंग कोच पदों के लिए गंभीर की शीर्ष पसंद को खारिज करना आश्चर्य से देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि भारतीय टीम के महत्वपूर्ण खिलाडियों विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ भी गंभीर के संबंध बहुत सहज नहीं माने जाते हैं। विराट के साथ तो उनकी उलझन सभी देख चुके हैं। यह सभी जानते हैं कि रोहित शर्मा को द्रविड़ के साथ एक और टर्म गुजारना पसंद होता। इसीलिये यह भी माना जा रहा है कि बीसीसीआईज़ फूंक फूंककर कदम रख रहा है।

नूरमहल में तालाब के किनारे अतिक्रमण

भोपाल. जिम्मेदारों की अनदेखी अगर ऐसे ही रही तो कुछ सालों में राजधानी के कुछ तालाब अपना अस्तित्व खो देंगे। इनका केवल नाम ही बाकी बचेगा। नूरमहल से शाहजहांनाबाद की ओर जाने वाले रास्ते किनारे तालाब के एक हिस्से को मिट्टी डालकर भर दिया गया। वहां दुकानें चल रही है। पानी से सटकर यहां कई और निर्माण भी हैं। कई पुराने हैं तो कुछ हाल में ही हुए हैं। फोटोः गोल्डी रॉक

17 करोड़ रुपए की वसूली बाकी, बिजली कंपनी परेशान

अब चौराहों पर टांगे जाएंगे बिजली बिलों के बकायेदारों के नाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिजली के बिलों को अदा करने में लापरवाही और इरादतन नजरअंदाज करने वाले उपभोक्ताओं के प्रति सख्ती शुरू होने वाली है। बिजली कंपनी बकायेदारों से वसूली करने के लिए अब शहर के हर जोन के टॉप 20 बकायेदारों की लिस्ट नगर निगम के वार्ड कार्यालय, बिजली कंपनी के जोन दफ्तर और इलाके के चौराहों पर टांग रही है।ताकि बकायेदारों को शर्म आए और वे बिजली का बिल अदा करें। इसके लिये पुलिस व प्रशासन का भी सहयोग लिया जायेगा।

खास बात यह है कि बिजली के बकायेदारों में सर्वाधिक संख्या पुराने शहर के

करोंद, भानपुर, चांदबड़ समेत कई इलाकों में ऐसे बकायेदारों की संख्या 13,से ऊपर

उपभोक्ताओं की है। जानकारी के मुताबिक पुराने शहर के 28से ज्यादा बड़े बिजली बकायादार हैं। करोंद, भानपुर, चांदबड़ समेत ईस्ट डिवीजन के दायरे में आने वाले इलाकों में ऐसे बकायेदारों की संख्या 13,से ऊपर है। इन पर 8 करोड़ रुपए बकाया है। आरिफ नगर, काजी कैंप, टीला जमालपुरा समेत नॉर्थ डिवीजन के दायरे में आने वाले इलाकों की संख्या 15हजार तक है। इन पर करीब 9 करोड रुपए बकाया है। कंपनी के एमडी द्वारा हाल में ली गई बैठक में सख्ती से वसूली का निर्णय लिया गया था। सिटी सर्कल के जनरल मैनेजर जाहिद अजीज खान ने बताया कि बकाया राशि जमा करने के लिए कुछ मोहलत दी गई। इन्हें नोटिस तक दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद इन्होंने बकाया राशि के बिल नहीं भरे। इनमे ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिन्होंने 6 महीने से बकाया राशि का भुगतान ही नहीं किया। कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा।

ज्योतिष सम्मेलन कल से, टाई सौ संत व जानकार जुटेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ज्योतिष मठ संस्थान एवं कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा पंचम दो दिवसीय कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन कल 13 जुलाई सुबह दस बजे से नेहरू नगर स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के सभागार में शुरू होगा। ज्योतिषाचार्य और पंचागकार ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल से पंडित विनोद गौतम ने बताया कि भारत को विश्व गुरु बनाने में ज्योतिष की भूमिका विषय पर यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश के कोने-कोने से ज्योतिष विद्या से संबंधित विद्वानों को आमंत्रित किया गया है। सम्मेलन में लगभग 250 ज्योतिष के जानकार अपने ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे। इस दौरान 50 शोधार्थियों द्वारा ज्योतिष शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। संस्कृति के अनुरूप ज्योतिष सम्मेलन में सभी ज्योतिष सांस्कृतिक परिधान में ही प्रवेश करेंगे। सम्मेलन में विशेष रूप से आवाहन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर 1008 स्वामी श्रीअवधूत बाबा अरुणगिरिजी महाराज का आगमन होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, संस्कृति मंत्री, स्थानीय सांसद, विधायक, महापौर आदि को भी आमंत्रित किया गया है। वहीं सम्मेलन में पूर्व मंत्री एवं ज्योतिषी पं. नंदकिशोर पुरोहित भी शामिल होंगे। इसके साथ स्थानीय साधु-संत महंतों का आगमन भी ज्योतिष सम्मेलन में हो रहा है।

संत हिरदाराम नगर में होगा स्टापेज

अब भोपाल या आरकेएमपी स्टेशन पर 10 ट्रेनें नहीं रुकेंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब भोपाल रेल्वे स्टेशन और रानी कमलापति स्टेशन पर रूकने वाली 10 ट्रेनें शनिवार 14 जुलाई से बदले हुए रूट से चलेंगी। इसके चलते ये सभी ट्रेनें इन दोनों स्टेशनों के बजाय संत हिरदाराम नगर में हाल्ट लेंगी। कुछ ट्रेनें 18 तो कुछ 22 जुलाई तक बदले हुए रूट से चलेंगी। रेल प्रशासन द्वारा मध्य रेल के भुसावल मंडल में होने वाले गेज परिवर्तन और खंडवा यार्ड री मॉडलिंग कार्य के चलते कुछ यात्री गा?यों को बदले हुए रूट से चलाया जाएगा। यह ऐसी ट्रेनें हैं जिनसे औसमत भोपाल और आरकेएमपी स्टेशन से पांच हजार यात्री तक आते-जाते हैं।

ये ट्रेनें रुकेंगी

- 11057 सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस 14 से 21 जुलाई तक।
- 11058 अमृतसर-सीएसएमटी एक्सप्रेस 14 से 21 जुलाई तक।
- 19435 अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस 18 जुलाई को
- 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस 20 जुलाई को
- 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस 15 से 22 जुलाई तक
- 19484 बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14 से 19 जुलाई तक
- 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस 14 से 21 जुलाई तक
- 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस 15 से 22 जुलाई तक
- 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 17 जुलाई को
- 15068 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर 19 जुलाई को

संत नगर थाने में लगे पौधे, हरा भरा रखने का लिया संकल्प

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत नगर थाने में गुरूवार को हमेशा हरा भरा रखने के उद्देश्य से थाने पुरे स्टॉफ सहित,प्रभारी कॅवल जीत सिंह रॅधावा ने पौधे रोपे। पौधा रोपण कार्यक्रम में नीम,बादाम और अन्य कई तरह के पौधे रोपे गए और इनकी रक्षा करने का संकल्प भी लिया गया। बैरागढ़ थाने के प्रभारी श्री रॅधावा ने कहा हमारा उद्देश्य इसके पीछे थाने को हरा भरा रखना है,ताकि हमें ऑक्सीजन चाहिए वो इनसे हमें मिलती रहे। इस अवसर पर एस आई अरविंद जाट, अमन नायक, ए.एस आई रतिराम, धन्श्यामदास,नीलेश सेंगर, इमरानबेस, द्वारका, वीरेन्द्र बाथम, प्रशांत जाट, गजराज सिंह,नेपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संत कॉलेज में प्रतियोगिता

रीसाइक्लेड प्रोजेक्ट्स बनाए छात्राओं ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में पर्यावरण अनुकूल रीसाइक्लेड प्रोजेक्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना, उद्यमिता प्रकोष्ठ और संस्थान नवाचार परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में सतत् विकास के प्रति जागरूकता पैदा करना और रीसाइक्लेड सामग्रियों के नवीन और व्यावहारिक उपयोग को प्रोत्साहित करना था। प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया, जिनमें अपसाइकल्ड फर्नीचर, रीसाइक्लेड फैब्रिक, क्राफ्ट्स, कांच की बोतल, सजावट, कार्ड बोर्ड क्राफ्ट्स, खाद बिन, टिन कैन प्रोजेक्ट्स, प्रकृति-प्रेरितक्राफ्ट्स, बोतल कैपमैग्नेट और कई अन्य शामिल थे।

कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य डॉ.डालिमा पारवानी ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल रीसाइक्लिंग और सतत् विकास के महत्व को उजागर करती है बल्कि छात्राओं की अद्वितीय रचनात्मकता और निपुणता को भी प्रदर्शित करती है। छात्राओं के प्रयासों से स्पष्ट होता है कि युवा मस्तिष्क पर्यावरण पर कितना सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

प्रतियोगिता के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। युसरा खान, प्रथम रही, जैनब बेग द्वितीय एवं माहिरा तृतीय स्थान पर रही ।

सेवा सदन को सरोज जैन के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर। नेहरू नगर, भोपाल निवासी 69 वर्षीय सरोज जैन का निधन हो गया। दिवंगत प्राणी के पति राजकुमार जैन ने

अपनी पत्नी की आंखें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय संतनगर को दान में दे दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2127 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

मेट्रो एंकर

विधायक शर्मा की अध्यक्षता में कई प्रस्ताव पारित

सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हुई चर्चा

रोगी कल्याण समिति में बसंत, हरीश को जगह मिली

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिविल हॉस्पिटल में रोगी कल्याण समिति की बैठक गुरूवार को हुई, जिसकी अध्यक्षता विधायक रामेश्वर शर्मा ने की। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ मुद्दों पर प्रस्ताव पास किए गए। समिति में दो सदस्यों को भी नामांकित किया गया।

बैठक में दीनदयाल रसोई, एम्बुलेंस, आरओ मशीन, जन औषधि केन्द्र, पॉर्किंग से आय व अन्य विषयों को रखा गया। विधायक शर्मा ने एम्बुलेंस के लिए स्मार्ट सिटी से दिलवाने, दीनदयाल रसोई व अन्य प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की। अस्पताल की जमीन पर दीगर वाहनों को पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराकर समिति की आय बढ़ाने का प्रस्ताव आया, लेकिन इस सहमति नहीं बनी। अस्पताल में मरीजों के परिजनों, अस्पताल कर्मियों व अस्पताल के वाहन ही पार्क करने तक सीमित रखने की बात कहीं गई। बैठक में 13 मार्च के प्रस्तावों का प्रतिवेदन भी रखा गया।

विधायक शर्मा ने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। व्यवस्था में जो भी कमी है, उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए, जो भी प्रस्ताव बैठक में आए हैं। उन्हें जल्द पूरा करवाया जाएगा। हर माह रोगी कल्याण समिति की बैठक करने की जिम्मेदारी नामांकित सदस्य बसंत चेलानी और हरीश मुलानी को दी गई, जो चर्चा कर अस्पताल की अपेक्षाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाएंगे। बैठक में अस्पताल अधीक्षक जेके जैन व अन्य स्टॉप मौजूद रहा।

सरकार के दो बड़े निर्णय

विधानसभा क्षेत्रों में 100 करोड़ के काम होंगे, आवास का लोन माफ होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने दो बड़े निर्णय लिए है। अब प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 करोड़ के काम होंगे, ये चार साल में होंगे। इसके लिए विधायकों से प्रस्ताव मांगे है तो वहीं जिन हितग्राहियों ने पिछले वर्षों में सीएम आवास के लिए बैंकों से लोन लिया था और अब तक नीं चुका पाए हैं, उनका लोन माफ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरवार को आवास पर भोपाल, नर्मदापुरम के विधायकों की ली बैठक में यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक विधानसभाओं में जो 100 करोड़ रुपये खर्च होने हैं उसमें 40 करोड़ रुपए विधायक निधि, सांसद निधि, जन-भागीदारी, सीएसआर, रिडेंसीफिकेशन एवं अन्य रिडेवलपमेंट मद से दिए जाएंगे। बाकी के 60 करोड़ की राशि राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 15 करोड़ के हिसाब से दी जाएगी। विधायकों से यह भी कहा गया कि अपनी विधानसभा में कलेक्टर के सहयोग से उद्योगों के लिए भूमि आरक्षित कराएं और औद्योगिक क्षेत्र घोषित करके उद्योग लगवाएं और युवाओं को बताएं कि आने वाले समय में सरकार लगभग 2 लाख पदों पर भर्ती करने जा रही है। जिसमें शामिल होने के लिए वे तैयार रहें।

मुख्यमंत्री ने विधायकों की बैठक में साझा की जानकारी

विधायकों को नसीहत

मुख्यमंत्री ने विधायकों को नसीहत दी है कि पंचायतों में जाकर प्रवास करें। वहां जन समस्या निवारण शिविर लगाएं और ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें। प्रधानमंत्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान को निरंतर जारी रखें।

किसानों से प्रति हेक्टेयर 12 क्विंटल खरीदी जाएगी मूंग

किसानों से प्रति हेक्टेयर 12 क्विंटल मूंग खरीदी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायकों को बैठक में यह जानकारी दी। अभी तक 8 क्विंटल ही खरीदी जा रही थी, जिसको लेकर किसान परेशान थे। किसानों के मुताबिक एक हेक्टेयर में 16 से 18 क्विंटल तक उत्पादन हुआ है लेकिन समर्थन मूल्य पर प्रति किसान प्रति हेक्टेयर महज 8 क्विंटल मूंग खरीदी जा रही है। बाकी की मूंग व्यापारियों को घाटा उठाकर बेचनी पड़ रही थी।

उद्यानिकी विभाग लगाएगा 20 लाख पौधे, बच्चों की तरह देखभाल करेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

'एक पेड़ मा के नाम' अभियान के तहत उद्यानिकी विभाग प्रदेश में 20 लाख पौधे लगा रहा है। विभागीय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि पौधों का संरक्षण जब बच्चों की तरह किया जाएगा, तभी शत-प्रतिशत पौधे वृक्ष का रूप ले सकेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पौध-रोपण के साथ उनके लिये खाद, पानी और सुरक्षा के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। अफसरों को कुशवाह ने कहा कि अभियान को मध्यप्रदेश में जन अभियान बनाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों को सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सब पर है। विभाग द्वारा 20 लाख 5 हजार पौधे 52 जिलों में रोपित कराने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उनमें शासकीय नर्सरी से छायादार वृक्षों के साथ-साथ फलदार वृक्ष जिनमें आम, अमरूद, जामुन, शहतूत, आंवला के पौधे स्थानीय कृषकों को लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। पौध-रोपण के साथ उनकी सुरक्षा व्यवस्था करना अति आवश्यक है। फलदार वृक्ष संरक्षित किया जाना चाहिए। लगातार उनके खाद, पानी की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारी पौध-रोपण के उपरांत उनके पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भी नियमित समीक्षा करें।

अंतत: सिंघल आयोग ने कर्मचारी संवर्ग की विसंगतियों को दूर करने दी रिपोर्ट

रिपोर्ट आई मगर कर्मचारियों की दशकों पुरानी मुराद पूरी होने में लग सकते हैं कई महीने!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र सरकार के करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों के दो हजार संवर्गों में एक हजार संवर्ग में चार दशक से चली आ रही वेतन विसंगतियां जल्द खत्म होने के आसार हैं। क्योंकि सरकार को सिंघल आयोग की रिपोर्ट मिल गई है, जिसका परीक्षण कर जल्द ही लागू किया जाएगा। वेतनमान में एकरूपता से करीब 5 लाख कर्मचारियों को हर साल 12 हजार से लेकर 60 हजार रुपए तक का लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि वेतन विसंगतियों पर जीपी सिंघल आयोग की रिपोर्ट का परीक्षण कर वित्त विभाग संशोधित वेतनमान मंजूरी के लिए कैबिनेट में ले जाएगा। वहां से मंजूरी के बाद ही यह लागू होगा। इसमें 6 माह से 1 साल तक का वक्त लग सकता है। शिवराज सरकार ने पूर्व वित्त सचिव जीपी सिंघल की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन चार साल पहले किया था।

दरअसल, वेतन विसंगतियों में जो सबसे बड़ा वर्ग प्रभावित है वह तृतीय श्रेणी में बाबू और चतुर्थ श्रेणी में भृत्य हैं। इनकी संख्या 1.25 लाख के करीब है। प्रदेश के समस्त 52 विभागों में लिपिक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं जिनकी वेतन विसंगतियां बनी हुई हैं। बताया जाता है कि लिपिकों के वेतन की विसंगति 1984 से चली आ रही है। तृतीय श्रेणी में लिपिकों का वेतन सबसे ज्यादा था। लिपिकों का वेतन पटवारी, सहायक शिक्षक, ग्राम सेवक, ग्राम सहायक, पशु क्षेत्र चिकित्सा अधिकारी संवर्ग से ज्यादा था। लेकिन धीरे-धीरे नीचे वाले सभी संवर्गों के वेतन बढ़ते गए और उनके पदनाम भी बदल गए। आज की स्थिति में लिपिक तृतीय श्रेणी के संवर्गों में वेतन में निम्न स्तर पर है। लिपिक और चतुर्थ श्रेणी की ग्रेड-पे में केवल 100 रुपए का अंतर है। जबकि जस्थान में लिपिकों का वेतनमान बढ़ाया जा चुका है। इसी तरह स्टेनोग्राफर की भर्ती प्रक्रिया व योग्यता समान है, लेकिन मंत्रालय में 1 जनवरी 1996 से इस संवर्ग के कर्मचारियों को ज्यादा वेतनमान दे दिया गया, जबकि विभागाध्यक्ष और कलेक्टर कार्यालय में काम करने वाले स्टेनोग्राफर का वेतनमान कम है। मंत्रालय, पुलिस मुख्यालय एवं विधि विभाग में कार्यरत स्टेनोग्राफर को प्रारंभिक वेतनमान 5500-9000 रुपए मिल रहा है जबकि विभागाध्यक्ष और कलेक्ट्रेट में 4500-7000 रुपए वेतनमान मिल रहा है।

चयन प्रक्रिया एक मगर वेतन अलग !

इसी तरह सरकार के कर्मचारियों के दो संवर्ग ऐसे हैं जिनकी शैक्षणिक तकनीकी योग्यता समान है। एक ही परीक्षा से चयन होता है, कार्य भी समान है, लेकिन वेतनमान अलग-अलग हैं। सहायक ग्रेड-3 और डाटा एंट्री आपरेटर। सहायक ग्रेड-3 की ग्रेड-पे 1900 रुपए है, जबकि डाटा एंट्री आपरेटर की 2400 रुपए। पटवारी की ग्रेड-पे 2100 रुपए है। वहीं जिन संवर्गों में इंस्पेक्टर है, वे उनका वेतनमान अन्य इंस्पेक्टर के समान चाहते हैं। आबकारी, कोआपरेटिव और माइनिंग इंस्पेक्टर की ग्रेड पे-3600 रुपए कर दी गई है फूड इंस्पेक्टर की 2800 रुपए है। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं का इलाज करने वाले पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों का वेतनमान बढ़ा दिया गया है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की 11 योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले एएनएम और एमपीडब्ल्यू का वेतनमान नहीं बढ़ाया गया है।

शिक्षा विभाग में वरिष्ठता की दरकार

उल्लेखनीय है कि 2018 में शिक्षा कर्मी, गुरुजी इत्यादि संवर्गों का संविलियन अध्यापक संवर्ग में कर दिया गया है, लेकिन उन्हें संविलियन दिनांक से वरिष्ठता दी गई, इस वजह से उनकी उनकी पेंशनेबल सर्विस बहुत कम हो गई। उनकी 15 से 20 साल की पूर्व सेवा को वरिष्ठता से जोड़ा ही नहीं गया। इसी तरह समस्त नियमित और गैर नियमित अस्थायी कर्मचारियों की रिटायरमेंट की आयु 62 वर्ष कर दी गई है, लेकिन होमगार्ड के जवानों की सेवानिवृत्ति की आयु अभी भी 60 वर्ष है।

नवाचारों को अपनाकर आपूर्ति निगम ने कमाए 422 करोड़

कामकाज का तरीका बदलकर बचाया खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के द्वारा किये गए नवाचारों से निगम को 422 करोड़ 79 लाख रूपये की बचत हुई है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक यह बचत 500 करोड़ रूपये तक होने की पूरी संभावना है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने निगम द्वारा किये गए नवाचारों की सराहना की है। निगम के प्रबंध संचालक पीएन यादव ने बताया कि उपार्जित धान को उपार्जन केन्द्रों से सीधे मिलर्स को देने पर परिवहन व्यय में 49 करोड़ 66 लाख, भंडारण व्यय में 82 करोड़ 53 लाख और गत वर्ष की तुलना में शीघ्र मिलिंग कराये जाने से व्यय एवं भंडारण व्यय में 16 करोड़ रूपये की बचत हुई है। इसी तरह पीडीएस की आवश्यकतानुसार प्रत्येक जिले में गेहूँ का स्टॉक आरक्षित करने पर पीडीएस मात्रा के गेहूँ लाने-ले जाने में 20 करोड़ और अन्य कल्याणकारी योजनाओं में अंतर जिला परिवहन की मात्रा कम होने से 60 करोड़ रूपये की बचत हुई है। विगत 5 वर्षों के क्षतिग्रस्त स्टॉक (स्कंध) के त्वरित निराकरण करने पर 110 करोड़ रूपये की बचत हुई। शेडयूल ऑफ रेट्स (एसओआर) परिवहन व्यवस्था का क्रियान्वयन करने से न्यूनतम दूरी न्यूनतम व्यय के आधार पर अंतर जिला परिवहन से 5 करोड़ 28 लाख और लम्बी दूरी का परिवहन एसओआर दरों पर करने से 79 करोड़ 25 लाख रूपये की बचत हुई है।

अनियमित कर्मियों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

सरकार ने किए आदेश जारी, मगर स्थाई कर्मियों व दैवेभो को छोड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग एवं परिवार कल्याण विभाग ने अनियमित संवर्ग के कर्मचारियों को आयुष्मान योजना में शामिल करने के निर्देश जारी किए हैं लेकिन अनियमित संवर्ग के स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को आयुष्मान योजना में शामिल नहीं किया है। इसे लेकर कर्मचारी नाराज भी हैं। मप्र कर्मचारी मंच ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को ज्ञापन सौंप कर कहा है कि अनियमित संवर्ग के स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को भी आयुष्मान योजना में शामिल करके स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ प्रदान किया जाना चाहिये। अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि अनियमित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आंगनवाड़ी सहायिका मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पंचायत सचिव रोजगार सहायक उषा कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता आशा सुपरवाइजर कोटवार संविदा कर्मचारी को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ आयुष्मान योजना के तहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं राज्य सरकार के इस आदेश से प्रदेश के अनियमित संवर्ग के 5 लाखों कर्मचारियों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक का प्रतिवर्ष स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ मिलेगा लेकिन गरीब एवं अल्प वेतन भोगी स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को मध्य प्रदेश शासन स्वास्थ्य विभाग एवं परिवार कल्याण विभाग ने आयुष्मान योजना का लाभ नहीं दिया है जिस कारण 45 हजार स्थाई कर्मी एवं 35 हजार दैनिक वेतन भोगी श्रमिक आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित हो गए हैं।

मेट्रो एंकर राज्यपाल ने की वनविभाग की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा

वनाधिकार पट्टाधारकों को मिले पीएम आवास का लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन अधिकार पट्टा धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समुचित रूप से मिले। पट्टा धारकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का अनिवार्यत-लाभ दिया जायें। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ने उक्त निर्देश वन विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। राजभवन में आयोजित बैठक में वन, पर्यावरण और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर और अपर मुख्य सचिव वन विभाग अशोक कुमार बर्णवाल मौजूद थे। राज्यपाल ने बैठक में वन मित्र पोर्टल की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पोर्टल को आवेदक फ्रेंडली और पात्र हितग्राहियों की सहूलियत का विशेष ध्यान रख जाए। उन्होंने वन अधिकार पट्टा धारकों के लिए खेल मैदान, हाट बाज़ार, म?ई-मेले और श्मशान घाट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनजातीय समुदाय को पीएम जनमन योजना का प्राथमिकता से लाभ दें: राज्यपाल ने कहा कि जनजाति समुदाय को पीएम जनमन योजना के विभिन्न घटकों को संयोजित कर प्राथमिकता से लाभान्वित करें। उन्होंने बैठक में पीव्हीटीजी वनधन केंद्रों की स्थापना की समीक्षा की। राज्यपाल ने कहा कि वन अपराध में जनजाति व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों का गंभीरता के आधार पर वर्गीकरण कर त्वरित निराकरण के लिये मानिटरिंग की जाए।

राज्यपाल ने बैठक में लघु वनोपज संग्रहण अधिकार, वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन, नवीन ग्राम सभाओं के गठन के पश्चात उनके नजरी नक्शे और सीमांकन की स्थिति, तेंदू-पत्ता संग्रहण, गौण वनोपज का संग्रहण एवं प्रबंधन तथा विपणन, वनोपज की खरीदी एवं बिक्री, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय-विक्रय, वन संसाधन योजना एवं नियंत्रण समिति के गठन, गौण वनोपज के प्रबंधन हेतु सूक्ष्म प्रबंध योजना, खनिज स्वामित्व को लेकर ग्राम सभाओ की स्थिति, आदि के विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा कर निर्देश दिए।

वहीं वन मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि लघु वनोपज संग्रहण की नीतियों में जनजातीय वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बैठक में जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण और गौण वनोपज के संग्रहण, प्रबंधन और विपणन में पेसा एक्ट के प्रावधानों को लागू करने के प्रयासों को और अधिक विस्तारित किया जाए। पेसा प्रावधानों के आधार पर वनोपज संग्रहण, प्रबंधन और विपणन को और अधिक हितग्राही मूलक बनाने के संबंध में चिंतन भी किया जाए। बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव मुकेशचंद गुप्ता, सचिव वन असीम श्रीवास्तव, राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और राजभवन जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य उपस्थित रहे।

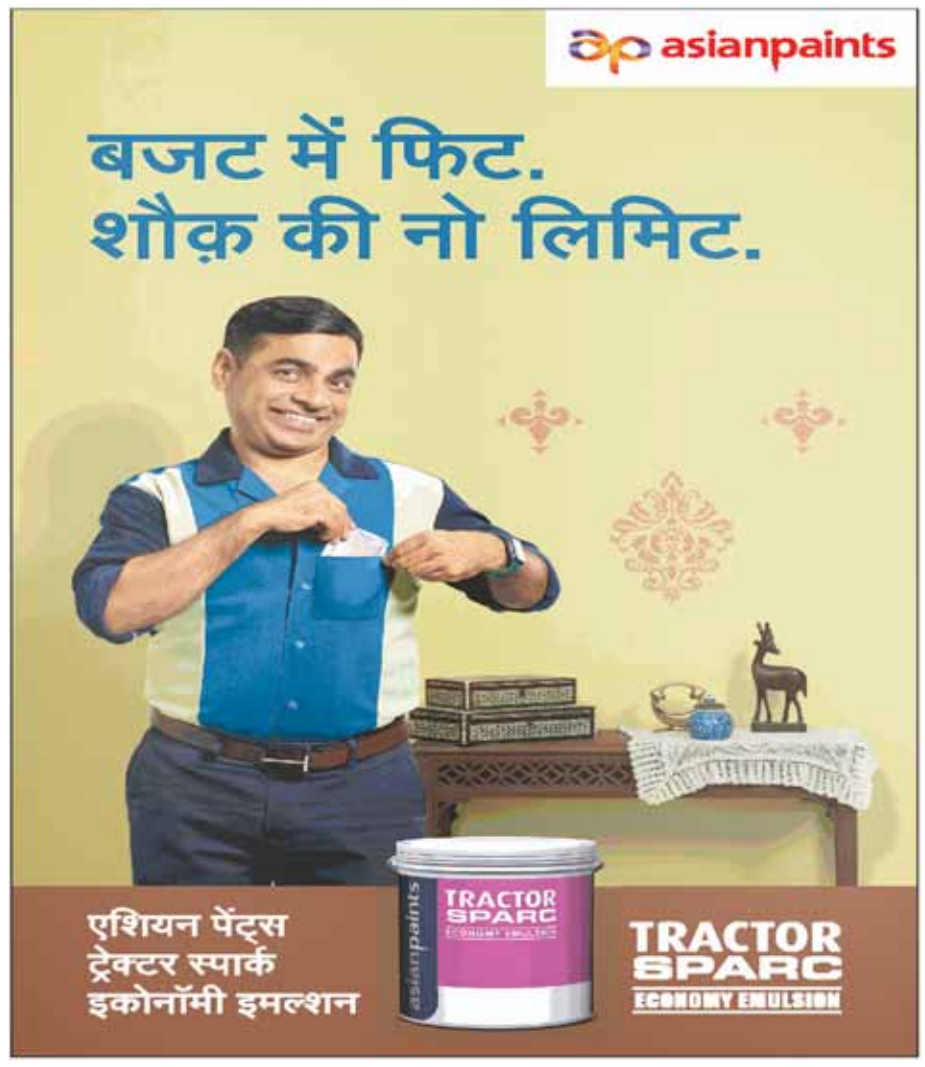

संपादकीय

चमचमाती सड़कों पर हादसे

सड़कों पर बेतहाशा भागते वाहनों के चालक अक्सर सम्मोहित से हो जाते हैं और हादसे की किसी भी संभावना से बेखबर से बढते जाते हैं। इसका नतीजा कई बार भीषण दुर्घटना के तौर पर होता है। सड़क हादसे की ऐसी कई खबरें कमोबेश रोज ही सुर्खी बनती है, और कई जानें जाने दंश भी दे जाती हैं। वास्तविकता तो यही है कि सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में सड़क दुर्घटनाएं कम नहीं हो पा रही हैं। आए दिन बड़े सड़क हादसों की खबरें आ जाती हैं। इन हादसों में आधुनिक तकनीक से बने एक्सप्रेस-वे पर जिस तरह की भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं, वह डराती हैं। जैसे एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार बस के टैंकर से टकराने और उसमें अठारह लोगों के मारे जाने की घटना हो गई। पहले भी इस मार्ग पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं। दिल्ली के एक्सप्रेस वे पर भी कई हादसे हुए हैं तो देश के और भी हिस्से में ऐसी दुर्घटना होती रही हैं। लिहाजा सवाल है कि एक्सप्रेस-वे पर आखिर इतने बड़े हादसे क्यों हो रहे हैं? पिछले वर्ष नवंबर में केंद्र सरकार की तरफ से जारी एक रपट के मुताबिक, 2022 में देशभर में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 32.9 फीसद एक्सप्रेस-वे पर हुई और इनकी वजह तेज रफ्तार थी। दरअसल, एक्सप्रेस-वे पर दिन-प्रतिदिन वाहनों का दबाव बढ़ रहा है, ऐसे में तेज गति से गाड़ी चलाने पर दुर्घटना की संभावना हर वक्त बनी रहती है। वैसे तो यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से निपटने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। मगर, ये कानून तभी कारगर साबित होंगे, जब प्रशासनिक तंत्र इन पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करेगा। अक्सर देखा गया है कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर भी वाहनों की निगरानी के लिए माकूल व्यवस्था नदारद होती है। हालांकि, एक्सप्रेस-वे पर सीसीटीवी की व्यवस्था है, लेकिन उनकी भी नियमित निगरानी किए जाने की जरूरत है, ताकि दुर्घटना के संभावित खतरों को समय रहते टाला जा सके। बढ़ते सड़क हादसों के मद्देनजर एक्सप्रेस-वे पर यातायात पुलिस की गश्त बढ़ाने, आपात सेवा के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली स्थापित करने तथा कार्रवाई में देरी करने पर जिम्मेदारी तय करने का मुद्दा भी उठाया जाता रहा है। मगर, इस दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आती है। तेज रफ्तार के अलावा लापरवाही से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक यात्री बिठाना, अकुशल चालक और नशे में वाहन चलाना भी स?क हादसों का कारण बनता है। इन पर रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन के स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाने की जरूरत है। इसके अलावा सड़कों पर गति नियंत्रण से लेकर अन्य सभी जरूरी सूचनाओं के बोर्ड भी निश्चित दूरी पर बडे आकार में होना जरूरी है ताकि चालक की नजरों में आ सकें। वैसे तो व्यवस्था में खामी के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। हालांकि यह बेहद कठिन काम है लेकिन जानमाल के बचाव के लिये इसे करना भी जरूरी तो है ही। बात सिर्फ एक्सप्रेस वे और बीओटी की चमचमाती सड़कों की ही नहीं है बल्कि एनएन और स्टेट हाइवे के साथ ही शहरों के मुख्यमार्ग के लिये भी लागू होती है। अक्सर प्रशासन सडक निर्माण में अपनी खामी को ढंकने की कोशिश में होता है लेकिन इसके परिणाम दीर्घकालिक नुकसान के रूप में सामने आते हैं,इसलिये न सिर्फ वाहनचालको को बेहद जिम्मेदार बनाया जाना चाहिये बल्कि सरकारी तंत्र व सड़कों के ठेकेदारों की भी जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहिये।

दुनिया में विपत्ति से बढ़ कर अनुभव सिखाने वाला एक भी विद्यालय आज तक नहीं खुला है

चुनौतियों के बीच बेहतर कर प्रशासन के अवसर पहचानना जरूरी

■ पिनाकी चक्रवर्ती

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारतीय कराधान के इतिहास में एक ऐतिहासिक कर सुधार रहा है। यह अब सात साल पुराना हो चुका है। एक जुलाई, 2017 को शुरू होने के बाद से इसे लेकर उम्मीदें बढ़ी ही हैं। जीएसटी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसने कर व्यवस्था को अधिक कुशल और सरल बना दिया है। हालांकि विभिन्न संक्रमणकालीन चुनौतियों के कारण थोड़ा संदेह भी पैदा हुआ है।अप्रत्यक्ष कर पारंपरिक रूप से सरकारों के लिए कर राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। लंबे समय तक अप्रत्यक्ष कर को राजस्व के साधन के रूप में देखा जाता था, न कि आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले साधन के रूप में। नतीजतन लंबे समय तक यह पुराने ढंग से चलता रहा, जिसमें कोई सुधार न हुआ। 1970 के दशक के बाद गठित विभिन्न समितियों ने इनमें व्यापक सुधार की सिफारिश की, जिनमें से कुछ को लागू किया गया। बाद में अप्रत्यक्ष कर में कई बदलाव हुए, जो अंततः 2005 में मूल्य वर्द्धित कर (वैट) के रूप में सामने आए। जीएसटी उसी वैट प्रणाली का विस्तार है।

जीएसटी में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया गया है। पूरा जीएसटी नेटवर्क इस पर निर्भर है। ई-वे बिल इस तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह वस्तुओं की आवाजाही को कर प्रशासन की नजर में रखता है। इसके अलावा ये बिल आपूर्तिकर्ताओं के जीएसटी रिटर्न में स्वतः शामिल हो जाते हैं, जिन्हें पहले मैनुअली जांचना पड़ता था। चूंकि अब सब कुछ ऑनलाइन है, तथा ई-वे बिल का प्रारूप पूरे देश में एक जैसा है, इसलिए पारगमन दस्तावेजों की जांच में लगने वाला समय घट जाता है तथा विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्रियाओं से पैदा होने वाली उलझन भी खत्म हो जाती है।

जीएसटी का एक लाभ यह भी है कि इससे क्षेत्रीय असमानताएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। चूंकि पहले ज्यादातर कर उत्पादन के आधार पर थे, इसलिए कर राजस्व का ज्यादा हिस्सा उत्पादक राज्यों द्वारा अर्जित किया जाता था। अब चूंकि जीएसटी गंतव्य पर आधारित है, इसलिए कर राजस्व उन राज्यों को मिलता है, जहां उपभोग होता है। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे गरीब, उपभोक्ता राज्यों को मदद मिलती है। हालांकि जिन राज्यों को इससे राजस्व में हानि की आशंका थी, उन्हें केंद्र सरकार ने पांच साल तक मुआवजा दिया। मुआवजा बंद करने के बाद भी राज्यों के राजस्व में कोई बड़ी कमी नहीं हुई। मतलब जीएसटी राजस्व राज्यों में सुव्यवस्थित हो गया है।

हालांकि, भारतीय जीएसटी एक ऐसा मॉडल है, जो इतने बड़े कर सुधार की जटिलताओं और उनके बाद के समाधान को दर्शाता है। फिर भी कर ढांचे के कुछ पहलू जीएसटी की सरलता के वादों के विपरीत हैं। इसलिए, कई मामलों में परिणाम अपेक्षा से कम रहे हैं। जीएसटी, कर दरों और विभिन्न छूटों से संबंधित नियम अब भी बदल रहे हैं, जिससे पिछले सात वर्षों में जीएसटी के प्रदर्शन का समग्र आकलन करना कठिन है। फिर भी शुरुआती आंकड़ों से कुछ निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। हालांकि जीएसटी ज्यादा व्यवसायों को कर के दायरे में लाने में सफल रहा है, लेकिन उन्हें करों का भुगतान करने के लिए बाध्य करने का काम अब भी बाकी है।

जीएसटी से कर प्रशासन पर दबाव बढ़ा है, क्योंकि छोटे व्यवसायी कुल पंजीकृत लोगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी उनका वास्तविक कर योगदान अपेक्षाकृत नगण्य है। तर्क दिया जाता है कि इन करदाताओं को छोड़ दिया जाए, प्रशासन को उच्च बोझ से राहत दिलाई जाए और बड़े करदाताओं को बेहतर सुविधा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके लिए पंजीकरण सीमा को सावधानीपूर्वक निर्धारित करने की जरूरत है, ताकि अधिक लोग इसमें शामिल न हों। अन्य विशेषता यह है कि छोटे व्यवसायों का कर अनुपालन बढ़ा है। लेकिन शोध से पता चला है कि छोटी कंपनियों को अपने परिचालन में?ज्यादा अनुपालन लागतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि छोटी कंपनियों के लिए कंपोजिशन स्कीम (जिसमें छोटे व्यवसायी नियमित जीएसटी दरों के बजाय निश्चित कर दरों का विकल्प चुन सकते हैं।) लाया गया है, लेकिन सीमा से नीचे के डीलरों के एक बड़े वर्ग ने इसका विकल्प नहीं चुना है, जबकि जीएसटी पंजीकरण कराया है।

यह सच है कि जीएसटी में किसी राज्य के हित से ज्यादा राष्ट्रीय हितों को तवज्जो दी गई है। एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) से प्राप्त आय का प्रबंधन भी एक बड़ा विषय है। पचास प्रतिशत आईजीएसटी मूलतः वितरण के लिए केंद्र द्वारा संग्रहीत राज्य राजस्व है। यह कर वस्तु एवं सेवाओं के अंतरराज्यीय आवाजाही के बदले वसूला जाता है, इसलिए इसे आपूर्ति की जगह/राज्य के अनुसार वितरित किया जाना चाहिए। लेकिन आईजीएसटी राजस्व के आवंटन पर अब भी काम जारी है।

भविष्य में जीएसटी के समक्ष अवसर और चुनौतियां, दोनों होंगी। यह जीएसटी परिषद पर निर्भर है कि वह इन चुनौतियों को देखे और बेहतर कर प्रशासन के अवसरों को पहचाने। जीएसटी को तर्कसंगत बनाने की काफी गुंजाइश है। इनमें जीएसटी का अधूरा क्रियान्वयन एवं कर की बहुत ज्यादा दर सबसे शीर्ष पर है।

हालांकि राज्यों की आशंकाओं को दूर करने के लिए कई दरों में संशोधन एवं छूट के प्रयास केंद्र ने किए हैं, लेकिन व्यापक संदर्भ में वे जीएसटी की दक्षता को कम करते हैं। इसलिए लगातार आधार बढ़ाने की जरूरत है, ताकि देश में जीएसटी राजस्व बढ़े। अर्थव्यवस्था के ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों को इसमें कवर किया जाना चाहिए। पेट्रोल और पेट्रोलियम पदार्थ अब भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं।

जीएसटी से सबसे बड़ी अपेक्षा सही मायनों में एक राष्ट्र की भावना पैदा करना था यानी देश भर में वस्तुओं एवं सेवाओं की निर्बाध आवाजाही। हालांकि जीएसटी ने ज्यादातर मामलों में व्यावसायिक पक्ष के लिए इसे सुनिश्चित किया है, पर वाहनों के विनियमन और कराधान से संबंधित कुछ और सूक्ष्म अंतर अब भी मौजूद हैं, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। वाहनों की आवाजाही के संबंध में हर राज्य का अपना अलग-अलग रोड टैक्स होता है, जो अब भी उनकी मुक्त आवाजाही में बाधा डालते हैं। ऐसे करों एवं शुल्कों को एक समान बनाने की गुंजाइश है। जीएसटी लागू होना अपने आप में बड़ी सफलता है, क्योंकि आम सहमति बनाना कठिन था। ध्यान रखें कि जीएसटी की संरचना अब भी विकसित हो रही है और खत्म नहीं हुई है। दरों को तर्कसंगत बनाने का काम अभी जारी है।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

निशाना

लगे खेलने खेल !

- कृष्णेन्द्र राय

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

पर्यावरण की फिक्र: एक पेड़ ने मृत्यु के पूर्व दिया बयान !

नाम-पेड़,पता-गांव, शहर, जंगल, आयु-1 से 100 वर्ष, धंधा-इंसान को ऑक्सीज़न देना

घटना का विवरण – जन्म से लेकर रोज़ हो रहे मेरे क़त्ल से मैं परेशान हूं, भ्रष्टाचारी दरिंदों ने पहले मेरे रोपण के नाम पर अपनी आर्थिक प्यास मिटाई,खूब प्रचार के बाद लावारिस छोड़ा,पहले 6 करोड़ 67 लाख, अब 51 लाख रोपण के नाम पर मेरी भ्रुणहत्या होगी, जब में पूर्ण शबाब पर आता हूं तब मेरी इंसानियत को समर्पित अनेकानेक सेवाओं को दरकिनार कर आरोपितों का गठजोड़ रोज़ बड़ी संख्या में मेरा क़त्ल करते हैं, अवैध परिवहन रूपी एंबुलेंस से शवयात्रा दाह संस्कार हेतु राजकीय सम्मान के साथ बेरोकटोक मुख्य मार्गों से होती हुई टिंबर मार्केट स्थित मुक्तिधाम लाई जाती है, जहां मेरे क्षतविक्षित शव को आरोपितों की आर्थिक प्यास बुझाते हुए मुखाग्नि दे दी जाती है !

क्या कठोर व दिखाई देने वाली कार्यवाही होगी? मेरे क़त्ल के आरोपियों के नाम हैं सर्वश्री राजनेता,वन माफिया,वन विभाग,दलाल और पुलिस पिता का नाम-संयुक्त गठजोड़।

(मप्र कांग्रेस के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा का ट्वीट)

बेहतर प्रबंधन व कौशल विकास में समाधान

■ सतीश मेहरा

आज भारत में आबादी का आंकड़ा 143 करोड़ के नजदीक है। यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन (142.86 करोड़) तक पहुंच गई है, जबकि चीन की 1,425.7 मिलियन (142.57 करोड़) है, जिसका मतलब है हमारी जनसंख्या चीन से 2.9 मिलियन यानी 29 लाख ज्यादा है। हमारा देश विश्व का सबसे युवा देश भी बना है यानी 35 वर्ष तक की आश्रित युवा आबादी सबसे अधिक 29 प्रतिशत भारत में ही है। यूएनएफपीए की ताजा रिपोर्ट में आकंड़ों के अनुसार भारत में लगभग 68 प्रतिशत जनसंख्या 15 से 64 की उम्र के बीच है जबकि 65 से ऊपर की जनसंख्या सिर्फ 7 प्रतिशत है।भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 आयु वर्ग के बच्चों की है, वहीं 18 प्रतिशत 10-19 साल की आयु के बच्चों की आबादी है। साथ ही 10 से 24 साल के आयु वर्ग की जनसंख्या 26 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व जनसंख्या पूर्वानुमान-2022 के अनुसार 2050 तक भारत की जनसंख्या 166.8 करोड़ पहुंच सकती है, वहीं चीन की आबादी घटकर 131.7 करोड़ हो सकती है। भारत में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 0.8 से भी अधिक पहुंच चुकी है।

जनसंख्या अभिशाप है या वरदान- यह एक सार्थक बहस का विषय होना चाहिए। हमारे शिक्षण संस्थानों में केवल जनसंख्या वृद्धि को अभिशाप के रूप में ही पढ़ाया जाता रहा है और गरीबी व बेरोजगारी की समस्या को बढ़ती जनसंख्या के ऊपर मढ़ दिया जाता है। देश और राज्यों में बनी सभी सरकारों के सामने जनसंख्या वृद्धि एक चुनौती रही है। किसी भी सरकार ने इस चुनौती का सामना करने के लिए इतनी संजीदगी नहीं बरती है जितनी बरती जानी चाहिए थी। देश की जनसंख्या में हो रही वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाव डाल रही है, जिससे पर्यावरण का क्षरण हो रहा है। ग़रीबी, असमानता बढ़ रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पर निरंतर बोझ बढ़ रहा है, जिससे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व अन्य सेवाओं की आम जनमानस तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। शिक्षा का बुनियादी ढांचा बढ़ती आबादी की ज़रूरतों से जूझ रहा है। शहरीकरण के कारण मूलभूत आवश्यकताओं और आधारभूत अवसंरचना पर दबाव बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त, जनसंख्या वृद्धि के कारण रोज़गार अवसरों में भी कमी आई है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोज़गारी अब तक उच्चतम स्तर (8.5 प्रतिशत) पर है। ग़रीबी दूसरी बड़ी चुनौती है, जहां लगभग 16.4 प्रतिशत आबादी ग़रीब है और लगभग 4.2 प्रतिशत लोग भीषण ग़रीबी का सामना कर रहे हैं। गरीबी और बेरोजगारी का मुख्य कारण देश के नागरिकों में कौशलता की कमी होना है। भारत के केवल 4.7 प्रतिशत कार्यबल ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जर्मनी और दक्षिण कोरिया में यह संख्या क्रमशः 75 प्रतिशत और 96 प्रतिशत है। मोटे तौर पर भारत में असंगठित क्षेत्र में 83 प्रतिशत कार्यबल कार्यरत है और संगठित क्षेत्र में 17 प्रतिशत। अर्थव्यवस्था में 92.4 प्रतिशत अनौपचारिक श्रमिक हैं जिनके पास कोई लिखित अनुबंध, सवेतन छुट्टी और अन्य लाभ नहीं हैं। जो एक चिंतनीय विषय है।

दूसरी ओर दुनिया के कई संपन्न देश जापान, इटली, ईरान व ब्राजील आदि जनसंख्या की कमी से जूझ रहे हैं। जहां कार्यों की अधिकता होते हुए श्रम शक्ति की कमी बनी हुई है। इसके विपरीत भारत में श्रम शक्ति अधिक होते हुए रोजगार में निरंतर कमी आ रही है। यह बेहद चिंता का विषय है। ज्यादा जनसंख्या वाले देशों में बड़ी कुशल श्रमशक्ति होती है, जो उत्पादन और आर्थिक विकास में मदद कर सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब है कि उत्पाद और सेवाओं के लिए बड़ा बाजार, जो व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देता है। ज्यादा जनसंख्या में प्रतिभाशाली और रचनात्मक व्यक्तियों की संख्या भी अधिक होती है, जो नवाचार और नए विचारों को जन्म दे सकते हैं। बड़ी जनसंख्या वाले देशों में अधिक सैनिक और सुरक्षा बल हो सकते हैं, जो देश की रक्षा को मजबूत बनाते हैं। इसलिए, जनसंख्या का संतुलित प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए जनसंख्या वृद्धि का बेहतर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देने, युवा शक्ति को बेहतर ढंग से चैनेलाइज करने और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें। हम कौशल विकास और शिक्षा में निवेश बढ़ाकर, युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं।

देश की सरकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों की सरकारों, संगठनों से सहयोग कर कृषि, ऑटो, रक्षा, सेवा, साइंस व अन्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी। यह कार्य शिक्षा में गुणवत्ता व कौशलता तथा व्यावसायिकता लाकर ही किया जा सकता है। सरकार द्वारा रोजगारपरक कार्यक्रम, कौशलता, शिक्षा, जनसंख्या प्रबंधन व नियंत्रण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। इन योजनाओं और कार्यक्रमों के अभी तक कितने सार्थक परिणाम आए हैं, यह एक मूल्यांकन का विषय है।

– साभार:

जब अधूरे सफाई कार्य पूर्ण हों तभी ठेकेदार की पेमेंट के निर्देश

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

ठेकेदार द्वारा नाला सफाई कार्य अधूरा किया गया है और उनके सहयोगी सफाई का प्रमाण मांग रहे हैं, जब ठेकेदार से सफाई पूर्ण करने को कहा गया तो उनका का कहना है अब सफाई नहीं होगी, पत्र देना हो तो दो, नहीं देना हो तो नही दो। इस बात लेकर वार्ड क्रमांक 8 की पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया ने सीएमओ रितु मेहरा को पत्र के माध्यम से शिकायत की और जल्द नाला सफाई कार्य पूर्ण कराने को कहा। इस पर सीएमओ रितु मेहरा ने नपा इंजीनियर मयंक अरोरा को तत्काल मौके पर जाकर निरीक्षण कर सफाई कराने के निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा वार्ड 8 के अलावा जिन भी वार्डो में नाला सफाई का कार्य अधूरा है उसे भी पूर्ण कराए। इस पर इंजीनियर मयंक अरोरा ने कहा दो दिन बाद जेसीवी और पॉकलेन आ रही है सफाई करा दी जाएगी।

सीएमओ का कहना डंफर का रेट अधिक आया था, इसलिए कैंसिल किया-

पार्षद ज्योति बाबरिया ने कहा वर्षा पूर्व शहर के नाले सफाई के लिए नगरपालिका द्वारा 20 लाख का टेंडर किया गया है। जो सीएम कांस्ट्रेशन फर्म को मिला है। टेंडर अनुसार शहर के प्रत्येक वार्डों में नालों की सफाई की जानी है। लेकिन ठेकेदार द्वारा इसमें लापरवाही वर्ती जा रही है। जहां आसानी से सफाई की जा सकती है वहां ही ठेकेदार सफाई कर रहा है। साथ ही जिन स्थानों पर सफाई हुई है उसका मलवा उसी स्थान पर फेंका जा रहा हैं जो बारिश में नाले में ही वापस आ जायेगा। जबकि टेंडर में डंफर से मलवे की डुलवाई भी शामिल है। इस पर सीएमओ ने कहा डंफर के रेट अधिक होने के कारण कैंसिल कर दिया है इस वजह से मैटेरियल नहीं उठ पाया है। फिर भी किराए की ट्राली लेकर नाले से निकले मैटेरियल को उठवा देंगे।

नाले की सफाई अधूरी, मलवा नही उठा-

वार्ड क्रमांक 8 उत्तर बंगलिया में ठेकेदार द्वारा नाले की सफाई अधूरी की गई है। मलवा ऊपर ही पड़ा हैं जो बारिश में वापस नाले में ही आ जाएगा। ठेकेदार के सहयोगी द्वारा पार्षदों से नाला साफ होने का पत्र मांगा जा रहा है। जब इस बात का जिक्र ठेकेदार से किया गया और उन्हें बताया गया कि नाला अधूरा साफ हुआ है जिसे पूर्ण करा दीजिए तो उनका कहना है अब नाला साफ नहीं होगा जो होना था हो गया। पत्र देना हो तो दो नहीं देना हो तो नहीं दो।

बंगलिया में हर वर्ष बाढ़-

बंगलिया में हर वर्ष बाढ़ की स्थिति निर्मित होती है नाले की सफाई पूर्ण नहीं हुई तो क्षेत्र की जनता को परेशान होना पड़ेगा। लगभग यही हालात शहर के अन्य सभी नालों के भी हैं जहां न तो गंभीरता से सफाई की गई है न ही वहां का मलवा साफ हुआ है। इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हम जनप्रतिनिधियों के पास मौजूद हैं। अतः नाले की सफाई कराई जाए और उससे निकले मलवे को उठवाया जाए। तथा जब तक नाला पूर्णतः साफ न हो जाए तब तक

हाईटेक पेडी राईस ट्रान्सप्लांटर मशीन से खेतों में नवीन तकनीक का प्रदर्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले में हाईटेक पेडी राईस ट्रान्सप्लांटर मशीन से कृषकों के खेतों में नवीन तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है। सहायक कृषि यंत्री पवारखेड़ा ने उक?त जानकारी देते हुए बताया कि कृषि अभियांत्रिकी नर्मदापुरम् एवं यानमार कम्पनी के साथ सामंजस्य कर हाईटेक पेडी राईस ट्रांसप्लांटर मशीन द्वारा कृषकों के खेतों में धान रोपाई प्रदर्शन किया जा रहा है। कृषि अभियांत्रिकी / कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कम्पनी के इंजीनियर की उपस्थिति में कृषकों को उपरोक्त मशीन की तकनीकि जानकारी दी जा रही है। जिससे प्रोत्साहित होकर कृषक मशीन अनुदान पर खरीदकर अपने खेतों में रोपाई कार्य कर रहे है। उक्त मशीन द्वारा 7 से 8 एकड़ की रोपाई एक दिन में की जा सकती है तथा एक घंटे में 2 लीटर डीजल की खपत होती है, परम्परगत पद्धति से मजदूरों द्वारा हाथ से रोपाई कार्य की तुलना में मशीन द्वारा रोपाई करने पर लागत 60 से 70 प्रतिशत कम हो जाती है। कृषक श्री रामकृष्ण गौर ग्राम- हिरनखेड़ा वि.ख. सिवनीमालवा द्वारा मशीन क्रय उपरांत 80 एकड़ में मशीन से रोपाई कार्य किया जा रहा है एवं ग्राम-भमेंड़ के कृषक कमलेश रघुवंशी ने मशीन क्रय उपरांत 30 एकड़ में धान रोपाई किया जा रहा है। उक्त मशीन ऑन डिमाण्ड के आधार पर कृषकों को अनुदान विभाग द्वारा दिया जा रहा है। कृषक ऑन लाईन आवेदन करके अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है। मशीन में 50 प्रतिशत अधिकतम 5 लाख का अनुदान है। सहायक कृषि यंत्री पवारखेड़ा ने किसान भाईयो से कहा है कि वे योजना का लाभ उठाने के लिए कार्यालय से संपर्क करें।

गरीबों पर कार्रवाई अमीरों पर रहम, यातायात पुलिस ओवरलोडिंग की कर रही अनदेखी

सिरोंज। खुलेआम बड़े वाहन चालकों के द्वारा यातायात विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है फिर भी इन पर किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। साथ ही यातायात पुलिस के द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को ठीक करने का काम तो नहीं किया जाता है पर अधिकांश समय छोटे और आसपास की ग्रामीणों को परेशान करने के लिए शहर के विभिन्न मुख्य मार्गो पर वाहन चेकिंग करके दस्तावेज तथा कई तरह की कमी है बात का चालानी कार्रवाई की जाती है। इस वजह से दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती इसमें ज्यादातर गरीब वर्ग के लोग होते हैं। कुछ वाहन चलाको ने तो कार्रवाई से बचने के लिए दूसरे रास्तों से आना-जाना प्रारंभ कर दिया हैं। दूसरी ओर शहर के मुख्य मार्ग पर कई आई बसों में नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है बसों की छतों सवारियों को बिठाने कर उनकी जान से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। इस तरह से ओवरलोडिंग करने वाले बड़े वाहन चालकों पर यातायात पुलिस किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। कहे कि बड़ों पर रहम और गरीबों पर सितम किया जा रहा है तभी छतों पर सवारियों को बिठाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। नगर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी ठीक करने का काम नहीं किया जा रहा है। इस वजह से समस्या खराब हो रही है चालानी कार्रवाई से ज्यादा यातायात व्यवस्था को ठीक करने पर ध्यान यातायात पुलिस को देना होगा तभी बदलाव होगा इस तरफ वरिष्ठ अधिकारियों को भी ध्यान देकर बदलाव करवाना होगा।

कमिश्नर ने जिला पंचायत हरदा सभाकक्ष में अधिकारियों को दिए निर्देश...

अधिकारी-कर्मचारी समय से पूर्व ऑफिस आएं व नागरिकों से सद्व्यवहार करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम् संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने गुरूवार को हरदा के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिये कि वे कार्यालयीन समय से कुछ समय पूर्व ही कार्यालय पहुँचे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की भी समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी जनसेवक हैं, अतः नागरिकों से अच्छा व्यवहार रखें और उनके आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर समय पर सेवाएं प्रदान करें। उन्होने कहा कि जैसे व्यवहार की हम दूसरों से उम्मीद करते है, वैसा ही सम्मानजनक व्यवहार कार्यालय आने वाले आवेदकों से करें। बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह भी उपस्थित थे। कमिश्नर श्री तिवारी ने बैठक में सभी अधिकारियों से चर्चा कर विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को निर्देश दिये कि शासकीय अस्पतालों में डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टाफ समय पर उपस्थित रहें और अस्पताल आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध करायें। उन्होने कहा कि डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों से अच्छा व्यवहार करें, यह सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी शासकीय कार्यालयों में थम्ब इम्प्रेशन मशीन लगवाकर अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये।

कमिश्नर श्री तिवारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित खण्ड स्तरीय समितियों की नियमित रूप से बैठक लें। उन्होने बैठक में बाढ़ एवं अतिवर्षा से निपटने के लिये जिले में की गई तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होने हाल ही में 1 जुलाई से लागू नये कानूनों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये राजस्व व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में उन्होने आगामी कृषि मौसम में खाद व बीज की उपलब्धता की भी समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने सहायक संचालक उद्यानिकी से कहा कि जिले में मूंग उत्पादक किसानों को समझाईश देकर और उद्यानिकी फसलों के लाभ के बारे में बताकर उन्हें उद्यानिकी फसल उत्पादन के लिये प्रेरित करें। उन्होने परिवहन अधिकारी को स्कूल बसों की नियमित रूप से चेकिंग करने के संबंध में निर्देश दिये।कमिश्नर श्री तिवारी ने बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्रोत समन्वयक और जनशिक्षक अपने-अपने क्षेत्र के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण नियमित रूप से करें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने बैठक में छात्रवृत्ति वितरण, निःशुल्क पुस्तक वितरण, निःशुल्क साइकिल वितरण की प्रगति की समीक्षा भी की।कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज शिकायतों का सभी अधिकारी तत्परता से निराकरण करें। निराकरण से पूर्व आवेदक से चर्चा करें और उसकी संतुष्टि उपरान्त ही पोर्टल पर शिकायत का निराकरण दर्ज कराएं। उन्होने सभी अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग और रेंक में अपने विभाग की स्थिति सुधारें।

'एक पौधा माँ के नाम' कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक पौधरोपण कराएं.

सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 'एक पौधा माँ के नाम' कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय परिसर में पौधरोपण करें और अधिकाधिक नागरिकों को भी पौधरोपण के लिये प्रेरित करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने बैठक में कहा कि पौधरोपण के बाद उसकी फोटो वायुदूत एप पर पोस्ट अवश्य करें। कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान बताया कि जिले में लगभग 12 लाख पौधे इस अभियान के तहत लगाये जाने का लक्ष्य रखा गया है। वन विभाग लगभग 6 लाख से अधिक पौधे लगवाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 5 लाख पौधे लगाये जायेंगे। उन्होने बताया कि जिले में लगभग 1.60 लाख पौधे लगाये भी जा चुके है। पंचायतों में नल जल योजना का संधारण व्यवस्थित हो और जल कर वसूली नियमित हो. कमिश्नर श्री तिवारी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजनाएं पूर्ण होते ही पंचायत को हस्तांतरित करें, पंचायतें उनका व्यवस्थित तरीके से संधारण करें। संधारण के लिये जल कर की राशि नियमित रूप से ग्रामीणों से वसूल की जाए। कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री पवनसुत गुप्ता ने इस दौरान बताया कि जिले में 460 ग्रामों में नल जल योजनाएं स्वीकृत है, जिसमें से 208 पूर्ण हो चुकी है और 252 प्रगतिरत है। इसके अलावा 4000 से अधिक हेण्डपम्प चालू स्थिति में है। उन्होने बताया कि महिला स्वसहायता समूहों को जल कर की वसूली का दायित्व सौंपा गया है, जिससे जल कर की वसूली में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

हृदय अभियान और दंत शक्ति अभियान की कमिश्नर तिवारी ने की सराहना

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कमिश्नर श्री तिवारी को जिले में हाल ही में प्रारम्भ किये गये हृदय अभियान के बारे में बताया कि जिले के चयनित 50 ग्रामों में महिलाओं एवं 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों के शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य सहित समग्र विकास के लिये जिला प्रशासन इस माह से विशेष अभियान प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य तथा महिलाओं के स्वास्थ्य व स्वरोजगार सहित उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा तथा शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होने बताया कि गर्भावस्था की शुरूआत में ही महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर हाई रिस्क महिलाओं को चिन्हित कर उनके उपचार व टीकाकरण की विशेष व्यवस्था की जाएगी तथा शासकीय अस्पताल में ही उनके प्रसव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि बच्चों में टूथ ब्रशिंग की आदत विकसित कर दंत सुरक्षा के लिये दंत शक्ति अभियान प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार ने यह कार्यक्रम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हरदा जिले में प्रारम्भ किया है। इन दोनों अभियान के लिये कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

मेट्रो एंकर | **प्रधानमंत्री एक्सीलेंस नर्मदा कॉलेज में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया...**

जनसंख्या वृद्धि को लेकर जागरूकता रैली, वाद विवाद, प्रश्न मंच सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा कॉलेज में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया ।जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए । जनसंख्या जागरूकता पर रैली को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने कहा कि इसका उद्देश्य देश के साथ विश्व की आबादी के प्रति जागरूक करना है, जनसंख्या वृद्धि से समस्याओं और समाधान खोजने पर जोर देना है। तत्पश्चात कॉन्फ्रेंस हॉल में सेमिनार और इंटरैक्टिव सत्र में व्याख्यान प्रारंभ हुए। जिसमें विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए ।जिसका संचालन डॉ दिनेश श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ किया। संयोजक डॉ सविता गुप्ता ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा की तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों में जागरूकता के उद्देश्य से आज का दिन मनाया जाता है जो जागरूकता यह संदेश देती है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाएं भविष्य में देने के लिए छोटे परिवार की आवश्यकता निरंतर बढ़ती जा रही है ।यह एक वैश्विक समस्या है। प्रथम वक्ता डॉ आलोक मित्रा ने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि विश्व में सबसे ज्यादा आबादी होने के बावजूद उन्होंने शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा दिया और बाहरी निवेश के लिए आर्थिक नीति देश हित में बनाई, आज विकसित राष्ट्र की श्रेणी में चीन को गिना जाता है। डॉ हंसा व्यास ने युवाओं को सकारात्मक भूमिका के लिए प्रेरित किया। वही मुख्य वक्ता डॉ अमिता जोशी ने जनसंख्या वृद्धि को प्राकृतिक दोहन, जलवायु परिवर्तन, कटते जंगलों, जीव जंतुओं के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह,खाद्यान्न के लिए रासायनिक प्रयोग का दुष्परिणाम तथा कोविड-19 को भी प्रकृति का प्रकोप बताया। इसी श्रृंखला में डॉ के जी मिश्र ने कहा कि देश की जनसंख्या नियंत्रण नीति दोषपूर्ण थी,जिसे आपातकाल में भारत ने देखी है जो आसमानता लिए हुए थी अन्यथा जनसंख्या नियंत्रण समय रहते हो सकता था। अन्य गतिविधियों में लघु फिल्म प्रदर्शन के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई.

वाद विवाद प्रतियोगिता पक्ष में सुमित यादव प्रथम ,गुरुवेश उईके द्वितीय,

विपक्ष में अर्जुन यादव प्रथम अभय अमोले द्वितीय

पोस्टर प्रतियोगिता में

रिया नायडू प्रथम, शांति माझी द्वितीय, मनोज टेकाम तृतीय तथा अदिति दुबे और धर्मेंद्र कटारे का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

धर्मेंद्र कटारे, राहुल दायमा प्रथम, मनोज टेकाम ,अर्जुन यादव द्वितीय, अभय अमोले ,सुमित यादव रजनीकांत, गुरुवेश तृतीय स्थान पर रहे। डॉ कमल चौबे डॉ राजीव शर्मा, डॉ यास्मीन खान ,श्रीमती जय श्री नंदनवार, डॉ नीलू दुबे, डॉ संध्या गौर ,डॉ अंजना यादव, स्नेहा दुबे, श्रीमती नित्या पटेरिया आदि प्राध्यापकों का सक्रिय सहयोग रहा। देवेंद्र, अरुण, प्रिया, प्रियांबिका जाट सहित अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान...विद्यालय परिसर में 100 पौधे रोपित

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् बनखेडी की नवांकुर संस्था सरस्वती ग्रामोदय बिद्यालय समिति गोबिंद नगर एवं भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोबिंद नगर के तत्वावधान में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधारोपण रोपण किया गया। गोबिंदनगर के विभिन्न परिसरों में आम, आवलां, जामफल सहित विभिन?न प्रकार के 100 से अधिक पौधे रोपित किये गये। 50 व्यक्तियों को वायुदूत एप डाउनलोड कराया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् से जूडे कार्यकर्ता विद्यालय के छात्र छात्राएं आचार्य दीदी उपस्थित रहे।

पुलिस ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया

सिरोंज । पुलिस अधीक्षक जिला विदिशा दीपक कुमार शुक्ला एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डां. प्रशांत चौबे द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण हेतु दिशा निर्देश दिये गये थे जिसके तारतम्य में एसडीओपी उमेश तिवारी के मार्गदर्शन में शासकीय पुलिस आवास सिरोंज कॉलोनी में थाना सिरोंज स्टाफ द्वारा 50 पौधे जिसमें आम, पीपल , बरगद, बेलपत्री, कटहल, जामुन , इमली, अमरुद , अशोक आदि के पौधे लगाकर समाज को वृक्षारोपण का ग्रीन एनवार्यमेंट एवं प्रदूषण नियंत्रण में महत्व का संदेश दिया गया । इस दौरान वृक्षारोपण में उपस्थित निरी. संदीप कुमार पवार , उनि. राकेश रघुवंशी , प्र.102 राकेश शर्मा ,प्र.आर 135 भान सिंह, प्र.आर. 198 खुशीलाल दांगी ,प्र.आर. सुनील रघुवशी , आर. 620 रामदीन रावत, आर. 842 सुनील, आर. संजय सिंह महिला आरक्षक सोनम जैन आदि।

हरी सब्जी पर भी महंगाई की मार 80 रुपए किलो बिकने से बिगड़ा बजट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले कुछ दिनों पहले तक हरी सब्जी के दाम 20 से 30 रुपए किलो चल रहे थे। टमाटर के दाम भी 20 किलो थे पर उसके दाम एकदम से 80 किलो के ऊपर चले गए इस वजह से हरी सब्जी खाना भी मुश्किल हो गया है। अधिक परेशानी मेहनत मजदूरी करके अपना और अपने घर परिवार भरण पोषण करने वाले गरीब वर्ग को सब्जी खरीदने में पसीना आ रहा है पहले जो सब्जी 20 में आ रही थी उसी सब्जी के लिए 80 चुकाने पड़ रहे हैं। टमाटर इतना लाल हो गया है कि 80 से 100 किलो बिक रहा है। दूसरी ओर अन्य सब्जियों की बात करें तो करेला 60 भिंडी 80 लौकी 80 रुपए गोभी भी 60 से 80 ककड़ी 80 रुपए बिक रही है अन्य सब्जियों के दाम भी इसी तरह चल रहा है आलू के दाम भी तेज हो रहे हैं प्याज की कीमत में भी वृद्धि होने से सब्जी विक्रेताओं को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है । दम ज्यादा होने से कम मात्रा में सब्जी बिक रही है दम अधिक होने से बिक्री घट गई है अभी तो बरसात का दौर प्रारंभ नहीं हुआ है। वहीं तेज बरसात होने पर सब्जी प्रभावित होगी तो उसे समय दम और भी ज्यादा हो सकते हैं।

शिक्षक संवर्ग की क्रमोन्नति में देरी, शिक्षक नाराज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नवीन शिक्षक संवर्ग (अध्यापक संवर्ग) की 12/24 वर्ष के उपरांत होने वाली क्रमोन्नति में देरी से शिक्षक संवर्ग के शिक्षक जिला शिक्षा अधिकारी के पास अपनी समस्या लेकर पहुंच चुके है, परन्तु आज दिनांक तक विदिशा जिले के क्रमोन्नति आदेश जारी नहीं हुये है ज्ञात हो की प्रदेश के कई जिलों में क्रमोन्नति की प्रक्रिया हो चुकी है लेकिन विदिशा जिले में आदेश निकलने में देरी क्यूँ हो रही है। हमारे संवाददाता द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी से बात की गई जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया की 60 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चूका है सोमवार तक लिस्ट जारी करने की कोशिश की जा रही है शिक्षकों का कहना है की 12/24 वर्ष के उपरांत होने वाली क्रमोन्नति, नवीन शिक्षक संवर्ग (अध्यापक संवर्ग) एरियर की शेष बची सभी किस्तों को तुरंत जारी करने के आदेश जारी किये जाये। संकुल प्राचार्यों का कहना है की हमारे द्वारा एक वर्ष पूर्व इसकी जानकारी विदिशा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा की जा चुकी है।

इनका कहना है -

60 प्रतिशत के लगभग काम पूरा हो गया है कोशिश यही है की सोमवार तक जारी करवा देंगे

***राम कुमार ठाकुर** जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा*

दुकान के सामने सड़क पर गंदगी करने का मामला

शराब ठेकेदार पर किया का 2000 रुपए का चालान, कराई विशेष सफाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर को साफ स्वच्छ बनाने के लिए गुरुवार को एसडीएम हर्षल चौधरी नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ, स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना तथा सफाई अमले के साथ एसडीएम ने मंडी बाईपास रोड से लेकर बलेज पेट्रोल पंप तक की सड़क की विशेष सफाई करवा कर यहां पर हो रही गंदगी को हटवाने का कार्य किया कब्रिस्तान के पास में सड़क पर जमा हो रहे पानी निकासी की व्यवस्था भी यहां पर कराई गई। वहीं सड़क की साफ सफाई भी कराई गई दूसरी ओर शराब दुकान के सामने गंदगी का अम्मा लगा हुआ था जगह जगह खाली बोतलों से लेकर कचरा पड़ा हुआ था इस पर एसडीएम ने नाराजगी जाहिर करते हुए शराब दुकान पर 2000 की चालानी कार्रवाई करते हुए कहा कि दोबारा से इस तरह की लापरवाही पाई गई तो और भी बड़ी चलानी कार्रवाई की जाएगी सड़क पर किसी भी तरह की गंदगी नहीं होनी चाहिए जिसके द्वारा भी किया जाएगा उसको चिन्हित करके चलानी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। साथ में ही पास के दुकानदारों के द्वारा भी अपने सामने सड़क पर कचरा कर रखा था उसके ऊपर भी चालानी कार्रवाई करते हुए 300 रुपए वसूले गए लगभग एक दर्जन के करीब दुकानदारों पर नगर पालिका के अमले ने दुकानों के सामने एवं सड़क पर गंदगी फैलाने पर जुर्माने की कार्रवाई करते हुए कहा कि शहर को साफ रखने में सभी को सहयोग करना पड़ेगा दुकानों से निकलने वाले कचरे को डस्टबिन में डालें और उसको कचरा गाड़ी में डालने का काम करें यदि सड़क पर गंदगी करने का काम किया गया तो कार्रवाई भी की जाएगी पिछले दिनों तालाब के गहरीकरण के बाद सड़क पर मिट्टी होने के कारण वाहन चालकों के साथ व्यापारियों को परेशानी हो रही थी उसको भी एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका के अमले ने विशेष अभियान चलाकर हटाने का काम किया साथ ही बासौदा नाके पर हो रही कीचड़ गंदगी को साफ करवाने का कार्य किया गया। चौराहे की सड़क पर जमा हो रहा है पानी को निकालने के लिए दीवाल में छेद भी करवाया गया है। कब्रिस्तान से लगी दीवार के करण सड़क पर बारिश का पानी जमा हो रहा था उसको अंदर निकलवाने का इंतजाम किया गया है ।

नगर पालिका अध्यक्ष ने लिंक रोड की निर्माणाधीन नाली के कार्य को देखने के बाद ठेकेदार को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य करने के निर्देश दिए। वहीं एसडीएम ने बताया कि हमने मंडी बाईपास रोड की विशेष रूप से सफाई कराई है। यहां पर हो रही मिट्टी गंदगी को सफाई कर्मियों से एकत्रित करवरकर झाड़ू भी लगवाई तथा समझाने के बाद भी सड़क पर गंदगी करने वाले शराब दुकान पर बड़े चलानी कार्रवाई इसके अलावा अन्य दुकानदारों पर भी जुर्मानी की कार्रवाई की गई । शराब दुकान दुकान के सामने ही सड़क पर कचरा जगह-जगह हो रहा था उस पर एसडीएम ने सख्ती दिखाते हुए 2000 का चालन बनाया है आगे से कचरा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने की हिदायत भी दी गई। दूसरी ओर मुख्य सड़कों के बाद शहर के गली मोहल्लों की भी विशेष सफाई कराई जाएगी इसके अलावा पानी में निकासी की समस्या जहां से भी हो रही है उसको भी दूर करने की बात कही लगातार शहर का भ्रमण करेंगे। इसी तरह का काम नगर पालिका प्रशासन के द्वारा किया गया तो शहर साफ स्वच्छ बन सकता है । बस अभियान खाना पूर्ति तक सीमित ना रहे धरातल पर निरंतर चलता रहा तो नगर साफ सुंदर दिखने लगेगा जिन दुकानदारों के द्वारा जानबूझकर दुकान के सामने और सड़क पर गंदगी करने का कार्य किया जाए ऐसे दुकानदारों पर निरंतर चलने कार्रवाई भी नगर पालिका के अमले को करनी होगी तभी बदलाव हो पाएगा। दूसरी ओर नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू भी कुछ दिनों से एक्टिव नजर आ रहे हैं। जायजा लेकर कामों को करवाने का कार्य भी कर रहे हैं गुणवत्ता विहीन काम करने वालों पर भी नजर रखने की बात कही जा रही है।

सड़क पर गंदगी करने वालों पर हो करवाई – एक तो नगर पालिका प्रशासन की विशेष रूप से प्रतिदिन सभी मुख्य मार्गो की सफाई करवानी चाहिए साथ ही ऐसे दुकानदारों पर ध्यान देना होगा जिनके द्वारा दुकानों से निकलने वाले कचरे और गंदगी को सड़क पर ही डालने का काम किया जाता है इनकी इस हरकत पर ध्यान देकर पहले समझाएं इसके बाद नहीं मानने पर ऐसे दुकानदारों पर चलानी कार्रवाई हो उसके लिए निरंतर नगर पालिका की टीम शहर का भ्रमण करें तभी ऐसे दुकानदार मानेंगे।

वार्ड 18 के निवासियों पर कब होगी कार्रवाही – सबसे अधिक सड़कों पर कचरा फेंकते वार्ड 18 के निवासी सुबह से लेकर शाम तक सड़क पर ही घरों का सारा कचरा फेंकते रहते है जिससे आवारा पशुओं का जमावड़ा यहाँ पर रास्ता रोके रहता है बच्चों का स्कूल जाना दुशवार हो जाता है एवं महिलाओं को जो मार्केट जारी है उन्हें हमेशा इन आवारा पशुओं से डर बना रहते अगर वार्ड 18 एवं शहर की समस्त रोडों एसी ही चालानी कार्रवाही होता तो शहर चमन हो जायेगा।

15 को विवाह निकाह के लिए होगा सम्मेलन, 12 तक फॉर्म होंगे जमा

सिरोंज। सम्मेलन की तारीख और आवेदन जमा करने के लिए काम समय में ही तारीख निश्चित होने से कई पत्र लोग सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ नहीं ले पाएंगे दूसरी ओर गलत लोग भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं उसके लिए जोड़ तोड़ प्रारंभ हो गई है । मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 15 जुलाई को विवाह एवं निकाह का आयोजन कृषि उपज मंडी के बेगम बाग में किया जाएगा। जिसको लेकर नगर पालिका कार्यालय और जनपद कार्यालय में फार्म जमा किए जा रहे हैं । फार्म जमा करने की तारीख 12 जुलाई है 2 दिन पहले ही सम्मेलन के लिए तारीख आई है कई लोगों को उसकी जानकारी भी नहीं है। दूसरी ओर जनपद पंचायत तथा नगर पालिका परिषद के द्वारा निकाह और विवाह के लिए प्रचार प्रसार भी नहीं किया जा रहा है। एसडीएम हर्षल चौधरी के द्वारा सामूहिक रूप से होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। मीडिया के द्वारा नगर पालिका तथा जनपद पंचायत से इसके संबंध में जानकारी देने का प्रश्न उठाया तो एसडीएम में तत्काल दोनों बिभागों को इसके संबंध में निर्देश दिए इसके बाद नगर पालिका परिषद के द्वारा प्रेस नोट जारी करके सम्मेलन के प्रचार प्रसार के लिए मीडिया से सहयोग मांगा तथा एलाउंसमेंट भी प्रारंभ किया है। नगर पालिका सीएमओ पवन शर्मा में प्रेस नोट जारी करके बताया 15 जुलाई को मुख्यमंत्री कन्या योजना के अंतर्गत विवाह और निकाह संपन्न होंगे पात्र हितग्राही 12 जुलाई तक नगर पालिका कार्यालय में फॉर्म जमा करके इस योजना का लाभ ले सकते है।

एक्सीडेंट में दोनों युवकों सहित गायों की मौत

सिरोंज लटेरी रोड स्थित ग्राम पाटन के पास बीच रोड पर गाय बेटी होने के कारण कार और मोटरसाइकिल में हुई जोरदार भिड़ंत जिसमें से मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की मौके पर मृत्यु हो गई और मौके पर चार गायों की भी मृत्यु हो गई दोनों युवक मूडरा सागर के पास ग्राम मोहब्बतपुर तहसील लटेरी के निवासी है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की अनन्तिम चयन सूची जारी

सिरोंज। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं की अनन्तिम चयन सूची कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना नटेरन द्वारा जारी की गई है। विदिशा जिले की नटेरन परियोजना अंतर्गत एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा 12 सहायिकाओं का अनन्तिम चयन हुआ है। अनन्तिम चयन पर 15 जुलाई 2024 तक परियोजना कार्यालय नटेरन, जिला विदिशा में दावा आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं की अनन्तिम चयन सूची में आंगनबाड़ी केंद्र नेहरयाई में कार्यकर्ता पद के लिए श्रीमती रोशनी यादव पति श्री कमर सिंह तथा आंगनबाड़ी केंद्र महूठा में सहायिका पद के लिए श्रीमती संगम सेन पति श्री लक्ष्मण, आंगनबाड़ी केंद्र पीपलधार में सहायिका पद के लिए श्रीमती अंजो अहिरवार पति श्री लालाराम, आंगनबाड़ी केंद्र अमरपुर में सहायिका पद के लिए श्रीमती रेखा अहिरवार पति श्री बृजमोहन, आंगनबाड़ी केंद्र खूसौर में सहायिका पद पर श्रीमती विनीता कुशवाहा पति श्री रणधीर, आंगनबाड़ी केंद्र पिपरिया में सहायिका पद पर श्रीमती राजश्री अहिरवार पति श्री शेरसिंह, आंगनबाड़ी केंद्र मूडाशेरपुर में सहायिका पद पर श्रीमती रजनी चिढ़ार पति श्री बालमुकुंद, आंगनबाड़ी केंद्र इस्लामनगर बबचिया में सहायिका पद पर श्रीमती रफीला बी पति श्री अजहरुद्दीन, आंगनबाड़ी केंद्र इमलिया में सहायिका पद पर श्रीमती ज्योति मीना पति श्री प्रदीप, आंगनबाड़ी केंद्र मुडरी खिरनी में सहायिका पद पर श्रीमती राजबाई जाटव पति श्री भगवान सिंह, आंगनबाड़ी केंद्र राजौदा में सहायिका पद पर श्रीमती वैशाली रघुवंशी पति श्री धर्मेंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र पड़रिया जागीर में सहायिका पद पर श्रीमती शहनाज पति श्री हलीम एवं आंगनबाड़ी केंद्र शमशाबाद में सहायिका पद पर श्रीमती सुहानी मोदी पति श्री अनिकेश के नाम शामिल हैं।

मेट्रो एंकर सड़े-गले फलों व सब्जियों, मांस मछली, अण्डों की बिक्री पर प्रतिबंध

कलेक्टर ने संक्रामक रोग हैजा के फैलाव व रोकथाम हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने विदिशा जिले में संक्रामक रोग हैजा के फैलने की संभावना के कारण तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से इस सांसर्गिक बीमारी के प्रादुर्भाव और फैलाव की रोकथाम हेतु प्रतिबन्धात्मक आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टर ने हैजा, ज्वर, आंत्रशोध विनियम 1979 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिसूचित क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों बाजारों, उपहार ग्रहों, भोजनालयों, होटलों में जनता के लिये खाद्य पेय पदार्थ, निर्माण कार्य करने या उनके प्रयोग में लाने के लिए कायम रखी गयी स्थापना में विक्रय या निमूल्य वितरण हेतु उपयोग में लाये गये स्थान पर बासी मिठाईयों तथा नमकीन वस्तुओं व सड़े-गले फलों व सब्जियों, मांस मछली, अण्डों की बिक्री प्रतिनिषिद् करने का आदेश जारी किया है।जारी आदेश में उल्लेख है कि बासी मिठाईयों एवं नमकीन वस्तुओं, फल सब्जियों, दूध दही, उबली हुई चाय, काफी, शरबत, मांस मछली, अण्डे, कुल्फी, आईसक्रीम आदि पदार्थ बर्फ के लड्डू व चूसने वाले तरल पदार्थ बिक्री हेतु खुले नहीं रखे जायेंगें, उन्हे जालीदार ढक्कनों से ढंककर अथवा कॉच के बंद शोकेस, बंद आलमारी अथवा पारदर्शी आवरण से ढककर इस प्रकार रखें जाएंगे ताकि वे मक्खी मच्छर आदि जन्तुओं या दूषित हवा से मानव उपयोग के लिये दूषित या अस्वास्थ्य कारक या अनुपयोगी ना हो सकें।

इस आदेश द्वारा प्रतिबंधित अवधि में घोषित अधिसूचित क्षेत्र के बाहर कोई भी व्यक्ति इस आदेश में उल्लेखित वस्तुओं तथा पकाये गये भोजन को ना तो लायेगा और न ही ले जायेगा।जो पदार्थ दूषित या अनुपयुक्त है तो दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 95 व 165 में उल्लेख की गई रीति से पाई गई अस्वस्थ कारक दूषित व अनुपयुक्त वस्तुओं का अधिग्रहण करवाकर हटाएं व नष्ट करें या उसे ऐसे रीति से निर्वतन करने के लिए जिसे वह मानव उपयोग में लाई जाने से रोकी जा सके।जनहित में म.प्र. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1962 के नियम 5 (5) के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के विक्रय संग्रह एंव निर्माण हेतु जारी किये गये खाद्य लायसेंस निलंबित और म.प्र. खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 की धारा 7 के अंतर्गत प्रतिबंधित किये जाएंगे एवं न्यायालीन कार्यवाही की जाएगी। धारा 16 तहत दण्ड में सजा एंव जुर्माना दोनों का प्रावधान किया गया है।अधिसूचित क्षेत्र में स्थित समस्त कार्यपालिक दण्डाधिकारी, मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, खंड़ चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य विभाग, समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत और जनपद पंचायत, नगरपालिका के स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य निरीक्षक, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहायक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को उनके कार्य के क्षेत्र में प्राधिकृत किया गया है ।

कार्यालय नगरपालिका परिषद सिरोंज विदिशा (मप्र)

क्रमांक/रा/ 2024/1526 दिनांक 13-06-2024

नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार आवेदकगणों द्वारा मध्य प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो नगरपालिका में विधराधनी है।

क्र.	प्रकरण क्र.	क्रेता	विक्रेता	पता	आधार
1	52/ना/2024	रानू अहिरवार/गिरधारी लाल अहिरवार	सिफात उल्ला / आमान उल्ला	वार्ड 02	विक्रेय पत्र
2	53/ना/2024	अ.वहीद/अ.हफीज आदि	हफीज खां	वार्ड 19	शपथ पत्र फोती नामा
3	54/ना/2024	विमल कुमार जैन/गुटटी लाल जैन, सुषमा जैन/जितेन्द्र कुमार जैन बैग	जफर उल्ला/ मसीउल्ला	वार्ड 02	विक्रय पत्र
4	55/ना/2024	गुलाब बाई/रामकिशन सेन	रामगोपाल/ सुन्दर लाल सेन	वार्ड 10	शपथ पत्र आदि
5	56/ना/2024	नील सरवैया/मुन्नीलाल सरवैया	रघुवीर हमुमत/ फूल सिंह	वार्ड 10	विक्रय पत्र
6	57/ना/2024	लक्ष्मी बाई/नारायण सिंह माली	विमला देवी/नरेन्द्र प्रसाद पालीवाल	वार्ड 02	विक्रय पत्र
7	58/ना/2024	रजनी नेमा/श्याम बाबू नेमा आदि	श्याम बाबू नेमा/ श्री नारायण	वार्ड 12	शपथ पत्र फोती नामा
8	59/ना/2024	फरजान बी/जाहिद खां	मलखान केवट/ मेहरबान सिंह	वार्ड 16	विक्रय पत्र
9	60/ना/2024	हारिश कुरैशी/मोहम्मद साविर खां	फरीदा बी/नन्ने मियां	वार्ड 01	विक्रय पत्र
10	61/ना/2024	अब्दुल सत्तार खां/गनी खां	शोकत शाह/गनी शाह	वार्ड 14	वसीयतनामा

अतः उपरोक्त दावों के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति लिखित में प्रमाण सहित इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस के भीतर नगरपालिका कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा बाद में अवधी यह मानकर किसी को कोई आपत्ति नहीं आगामी कार्यवारी की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकार
नगर पालिका
परिषद सिरोंज

12 साल बाद स्पेन ने फाइनल में बनाई जगह

5 मिनट में किए 2 गोल

म्यूनिख, एजेंसी

स्पेन की टीम ने जीत का अभियान जारी रखते हुए यूरो कप 2024 के फाइनल में जगह बना ली है। तीन बार की पूर्व चैंपियन स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-1 से शिकस्त दी। स्पेनिश टीम 12 साल बाद और कुल पांचवीं बार फाइनल में पहुंची है। टीम आखिरी बार 2012 में फाइनल तक पहुंची थी और खिताब जीता था। दूसरी ओर, फ्रांस को कप्तान किलियन एम्बाप्पे की खराब फॉर्म का खामियाजा उठाना पड़ा, जो इस मैच में एक भी गोल नहीं कर सके। फाइनल में स्पेनिश टीम का मुकाबला इंग्लैंड और नीदरलैंड्स के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में जीतने वाली टीम से होगा।

मुआनी की मेहनत पर फिर गया पानी: स्पेन की जीत के हीरो लामिने यामाल और दानी ओल्मो रहे, जिन्होंने एक-एक गोल दागा। फ्रांस ने रेंडेल मुआनी के नौवें मिनट में दागे गोल से 1-0 की अहम बढ़त कायम कर ली थी। लेकिन स्पेन ने जबरदस्त पलटवार किया। 21वें मिनट में यामाल और 25वें मिनट में दानी ओल्मो के गोल से स्पेन ने 2-1 की बढ़त कायम कर ली। वहीं, इस हार के साथ ही फ्रांस की टीम का साल 2000 के बाद चैंपियन बनने का सपना टूट गया।

लगातार छठी जीत दर्ज कर रेकॉर्ड बना

स्पेन टूर्नामेंट में लगातार छह जीत हासिल करके फाइनल में पहुंची है और यूरो कप में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई है। स्पेन से आगे सिर्फ ब्राजील की टीम है, जिसने किसी मेजर टूर्नामेंट (विश्व कप, यूरो कप) में सर्वाधिक सात मुकाबले जीते हैं।

पेले का रेकॉर्ड तोड़ बने सबसे युवा स्कोरर

स्पेन के 16 वर्षीय लामिने यामाल मेजर टूर्नामेंट (यूरो कप, विश्व कप) के इतिहास में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 16 साल 362 दिन की उम्र में गोल दागा उनसे पहले यह रेकॉर्ड ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले के नाम था। उन्होंने 1958 फीफा विश्व कप में वेल्स के खिलाफ 17 साल 239 दिन की उम्र में गोल किया था।

कोपा अमरीका कप - कनाडा को 2-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने कोपा अमरीका कप में अपना दबदबा कायम रखते हुए रेकॉर्ड 30वीं बार फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में कनाडा को 2-0 से शिकस्त दी और अब उसकी नजरें अपने 16वें खिताब पर हैं।

इंग्लैंड से 171 रन पीछे; रुट, ब्रूक और स्मिथ की फिफ्टी

पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज हार की कगार पर, दूसरी पारी में 6 विकेट खोए

धर्मशाला, एजेंसी

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज पर 250 रन की बढ़त ले ली है। पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद दूसरी पारी खेलने उतरी वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 79 रन बना लिए हैं। अभी भी वो इंग्लैंड से 171 रन पीछे हैं। इंग्लैंड ने अपने स्कोर 189 रन से आगे खेलना शुरू किया और उनकी पूरी पारी 371 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से जो रुट, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने हाफसेंचुरी लगाई। वेस्टइंडीज की तरफ से जेडेन सील्स ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उनके अलावा गुडाकेश मोती और जेसन होल्डर को 2-2 विकेट मिले।

दूसरी इनिंग में वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत

पहली पारी में इंग्लैंड ने 250 रन की बढ़त हासिल की। जिसे उतारने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत खराब रही उन्होंने 37 रन पर 4 विकेट गवां दिए। पारी के 9वें ओवर में अपने करियर का आखिरी मैच खेल रहे एंडरसन ने अपने विंटेज स्टाइल में कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को क्लीन बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी की और 2 विकेट लिए। उन्होंने डेब्यूटेंट माइकल लुइस और किर्क मैकंजी को आउट किया। पहले इनिंग में 7 विकेट लेने वाले गस एटिंकसन ने कवेम हॉज को 4 रन पर बोल्ड किया। दूसरी पारी में एंडरसन ने अपना दूसरा विकेट एलिक एथनाजे को आउट करके लिया। एंडरसन, गस एटिंकसन और कप्तान बेन स्टोक्स के सामने वेस्टइंडीज के प्लेयर्स टिक नहीं पाए। वेस्टइंडीज के अब तक 6 विकेट गिर चुके हैं।

हाल-ए-मैच

ब्रूक की हाफ सेंचुरी: ब्रूक ने 25 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। शानदार बल्लेबाजी करते हुए ब्रूक ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 64 बॉल पर 50 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 5 चौका और 1 सिक्स लगाया। हालांकि वो अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं ले जा पाए और 50 रन पर उन्हें अलजारी जोसेफ ने कीपर डा सिल्वा के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट की फिफ्टी: ब्रूक और जो रूट ने इंग्लैंड पारी को मजबूती दी। दोनों ने मिलकर 120 बॉल पर 91 रन की साझेदारी की। जो रूट ने शानदार फिफ्टी लगाते हुए 114 बॉल 68 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 चौके लगाए। उन्हें गुडाकेश मोती ने बोल्ड किया।

डेब्यू पर जेमी स्मिथ के 70 रन: अपने करियर का पहला मैच खेल रहे इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने अपनी पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 70 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 2 सिक्स लगाए। उन्हें जेडेन सील्स ने अपना चौथा शिकार बनाया।

गुड़ाकेश मोती के 2 बोल्ड: मोती ने इंग्लैंड की पहली इनिंग में 2 दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। सबसे पहले उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स को 4 रन पर बोल्ड किया। उसके बाद शानदार बल्लेबाजी कर रहे जो रूट को 68 रन पर आउट करके वेस्टइंडीज को मैच मे बनाए रखा।

जेडेन सील्स के 4 विकेट: जेडेन सील्स ने दूसरे दिन 2 विकेट लिए। उन्होंने पहले दिन के आखिरी सेशन में बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट किया था। आज उन्होंने पहले जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स के बीच की साझेदारी को तोड़ा। उसके बाद सेट बल्लेबाज जेमी स्मिथ का आखिरी विकेट भी लिया। उन्होंने पहली इनिंग में कुल 4 विकेट लिए।

विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट

सेमीफाइनल में अल्कारेज की मेदवेदेव से भिड़ंत होगी

लंदन, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और रूसी खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव के बीच साल के तीसरे ग्रैंड स्लेम विम्बलडन का सेमीफाइनल खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ी लगातार दूसरे साल इसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में आमने-सामने हैं। पिछले साल खेले गए सेमीफाइनल में अल्कारेज ने मेदवेदेव को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी और चैंपियन बने थे। इससे पहले, तीसरी वरीय अल्कारेज ने अमरीका के 12वीं वरीय खिलाड़ी टॉमी पॉल को क्वार्टरफाइनल में 5-7, 6-4, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।

इटली की 7वीं वरीय जैस्मिन पाउलिनी और क्रोएशिया की डोना वेकिक के बीच महिला एकल के सेमीफाइनल में भिड़ंत होगी। पाउलिनी ने अमरीका की एम्मा नवारो को 6-2, 6-1 से वेकिक ने ऑस्ट्रेलिया की एल सुन को 5-7, 6-4, 6-1 से मात दी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना और चेकगणराज्य की बारबारो क्रेजिकोवा के बीच मुकाबला होगा।

चोट के कारण मिनुएल मुकाबले से हटे : सर्बिया के दूसरे वरीय खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बिना क्वार्टरफाइन खेले ही अगले दौर में पहुंच गए। दरअसल, नोवाक का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के नौवीं वरीय एलेक्स डी मिनुएल से था। लेकिन मैच से पहले हिप इंजुरी के कारण मिनुएल ने नाम वापस ले लिया और इस तरह जोकोविच अगले दौर में पहुंच गए। मिनुएल ने कहा कि इस तरह मैच से हटना बेहद दुखद है।

भारतीय एथलीट विदेश में ट्रेनिंग करेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम विदेश में तीन अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण लेगी। भारतीय एथलीट पोलैंड के स्पाला, तुर्की के अंताल्या और स्विटजरलैंड के सेंट मोरिट्ज में प्रशिक्षण लेगी। मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने कहा प्रशिक्षण के बाद राष्ट्रीय एथलेटिक्स टीम 28 जुलाई को पेरिस में एकत्रित होगी।

मेट्रो बाजार

आरबीआइ रिपोर्ट: देश में लगातार घटी बेरोजगारी, केंद्र ने रिपोर्ट खारिज की

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने सोमवार को सिटी ग्रुप की उस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7 फीसदी होने पर भी रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि सिटी ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट में पीएलएफएस और आरबीआइ जैसे आधिकारिक स्त्रोतों से उपलब्ध रोजगार के व्यापक आंकड़ों को ध्यान में नहीं रखा। आरबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में कहा, भारत ने वर्ष 2017-18 से लेकर 2023-24 के बीच 16.8 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा कीं। देश में वर्ष 2023-24 में 4.67 करोड़ नौकरियां पैदा हुईं, जिससे कुल रोजगार की संख्या बढ़कर 64.33 करोड़ हो गई, जो वर्ष 2023-24 मे 59.67 करोड़ थी। आरबीआइ ने कहा कि वर्ष 2023-24 में देश में बेरोजगारी दर में कमी आई और रोजगार बढ़ने की दर 6त्न रही, जो 2022-23 के 3.2त्न ग्रोथ रेट से दोगुनी है। सिटी ग्रुप ने कहा था कि अगले एक दशक में भारत को हर साल 1.20 करोड़ रोजगार का सृजण करना होगा, पर मौजूदा 7 फीसदी जीडीपी दर से भारत हर साल 80-90 लाख रोजगार ही पैदा कर सकेगा। 4.67 करोड़ नौकरियां 2023-24 में पैदा हुईं, भारत में रोजगार वृद्धि दर 6 फीसदी रही। क्षेत्र कर्मियों की एक साल ग्रोथ संख्या में बढ़े रेट मैन्युफैक्चरिंग 6.31 करोड़ 20.3 लाख 2.7 फीसदी सर्विस सेक्टर 20.15 करोड़ 80.1 लाख 3.3 फीसदी एग्रीकल्चर 25.30 करोड़ 48 लाख 1.9 फीसदी अन्य सेक्टर 12.57 करोड़ 3.19 करोड़ 34 फीसदी करोड़ नए रोजगार सृजित हुए वित्त वर्ष 2017-18 से 2023-24 के बीच 64.33 करोड़ देश में कुल रोजगार की संख्या वर्ष 2023-24 में, जिसकी संख्या 2022-23 में 59.67 करोड़ थी, आरबीआइ रिपोर्ट के मुताबिक 44.5 फीसदी हो गई कुल आबादी में रोजगार वाले लोगों की संख्या वर्ष 2023-24 में जो 2017-18 में केवल 34.7 फीसदी थी।

महंगाई की मार: बिगड़ा किचन का बजट, हरी सब्जियों के बाद चना दाल और मसाले भी महंगे, दाल कर रही हालत पतली

नईदिल्ली, एजेंसी

देशभर की मंडियों में सब्जियों के थोक दामों में भारी उछाल आया है। इससे एक महीने में ही खुदरा बाजार में सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। सब्जी व्यापारियों का कहना है कि देश के कई इलाकों में तेज बारिश का असर गोभी, भिंडी, तोरी जैसी सब्जियों पर पड़ा है। इससे पहले जून में लू से मिर्च, लौकी जैसी सब्जियां खराब हो गईं। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में किसानों की फसलों बीते दिनों हुई बारिश में खराब हो गई। इन राज्यों से आने वाली सब्जियों की सप्लाई घटी है, जिससे सब्जियों की कीमतें आसमान पर पहुंच गई है। कारोबारी बताते हैं कि जैसे ही सब्जियों के दाम बढ़ते हैं, लोग दाल, छोले, राजमा आदि पर शिफ्ट कर जाते हैं। स्थिति यह है कि सबसे सस्ती मिलने वाली चने की दाल भी 120 रुपए किलो तक पहुंच गई है। एक माह पहले 90 से 100 रुपए पर थी। हर साल जुलाई और अगस्त में चने के रेट बढ़ते हैं। खुदरा बाजार में अरहर (तुअर) दाल की कीमत लगभग 200 रुपए प्रति किलो है।

मसालों पर भी चढ़ा महंगाई का रंग: मसाला कारोबारियों का कहना है कि इस बार हल्दी की पैदावार कम हुई है। पिछले साल थोक मार्केट में हल्दी की कीमत करीब 80 रुपए प्रति किलो थी, लेकिन इस समय इसकी कीमत थोक बाजार में 170 रुपए तक पहुंच गई है। पिछले कुछ दिनों में ही जीरा के थोक रेट में 20 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई। थोक बाजार में इसकी कीमत लगभग 320 रुपए प्रति किलो है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आलिया ने शुरू की 'अल्फा' की शूटिंग, फिल्म में कई एक्शन सीन

आलिया भट्ट ने यशराज फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है। इस स्पाई यूनिवर्स की फिल्म में वो शरवरी वाघ के साथ मेन लीड में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी जिसके लिए उन्होंने काफी तैयारी भी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म में आलिया एक सीक्रेट एजेंट के किरदार में नजर आएंगी। सूत्रों के मुताबिक, आलिया ने पांच जुलाई को फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है। इसमें उनका नेवर सीन अवतार देखने को मिलेगा। सुपर एजेंट के रोल के लिए आलिया ने चार महीने की तैयारी की है। फिल्म में उनके पांच से छह मेजर एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे इसलिए आलिया की फिटनेस बहुत मायने रखती है। आलिया ने भी क?ी मेहनत करके वो फिटनेस पा ली है ताकि वो स्क्रीन पर एक्शन करते हुए जबरदस्त लगें। फिल्म अल्फा बड़े बजट में तैयार की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर फ्रैंचाइजी में जोया बनीं कटरीना और पठान में रुबई बनीं दीपिका को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था, जिसके चलते आदित्य चोपड़ा ने फीमेल लीड फिल्म बनाने का फैसला किया था।

फिल्म के लिए कोरियन स्टंट कोर्डिनेटर हायर

रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य चोपड़ा ने फिल्म के एक्शन सीन के लिए कई एक्सपर्ट्स से हाथ मिलाया है। इनमें कोरियन स्टंट कोर्डिनेटर सी-योन्ग ओह, फ्रांज स्पिहॉस और इंडियन एक्शन डायरेक्टर सुनील रोड्रिग शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, एनिमल से सुर्खियों में आए बॉबी देओल फिल्म में नेगेटिव रोल निभाने वाले हैं। फिल्म में उनके और आलिया भट्ट के एक्शन सीक्वेंस होने वाले हैं। आलिया भी फिल्म में मार्शल आर्ट्स करती दिखेंगी।

'छावा' को विक्की कौशल ने करियर की खास फिल्म बताया

विक्की कौशल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'बैड न्यूज' के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्टर ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने करियर की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाना बेहद जिम्मेदारी भरा रहा। इस फिल्म में कड़ी मेहनत करते वक्त बड़ा मजा आया। जल्द ही इस फिल्म के रिलीज डेट की अनाउंसमेंट प्रोड्यूसर करेंगे। विक्की कौशल पहली बार किसी पीरियड ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर एक्टर के फैंस अभी से काफी एक्साइटेड हैं। विक्की भी इस फिल्म को अपने करियर के लिए बेहद खास फिल्म मानते हैं। उन्होंने कहा- इस फिल्म ने मुझे शारीरिक और भावनात्मक रूप से सबसे प्रभावित किया है। यह मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण भी रहा है। फिल्म कम्पैनियन को दिए इंटरव्यू के दौरान जब विक्की कौशल से यह पूछा गया कि इस फिल्म को दर्शक कब तक देख पाएंगे? एक्टर ने कहा- फिल्म की शूटिंग समाप्त हो गई है। लेकिन पोस्ट- प्रोडक्शन अभी चल रहा है। एआर रहमान सर बैकग्राउन्ड स्कोर और म्यूजिक बनाने में बिजी हैं। फिल्म में बहुत सारे वीएफएक्स का उपयोग भी होना है। यह सब पूरा हो जाने के बाद ही फिल्म के प्रोड्यूसर रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर सकेंगे। फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर नजर आएगी।

करण जौहर बोले- कभी रिश्ते में था, लेकिन लंबे समय से सिंगल हूं

फिल्ममेकर करण जौहर ने हाल ही में अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि वे लंबे वक्त से सिंगल हैं और सिंगल स्टेटस इन्जॉय भी कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें किसी पार्टनर की तलाश भी नहीं है। करण ने बताया कि 40 साल की उम्र तक उन्होंने पार्टनर की तलाश की थी। लेकिन अब 50 साल की उम्र में उन्हें पार्टनर की कमी महसूस नहीं होती है।

'मैं पूरी लाइफ में डेढ़ रिश्ते में रहा हूं': फेय डिसूजा के चैट शो में करण ने यह खुलासा भी किया कि वे कभी डेढ़ रिश्ते में थे। इस बारे में उन्होंने कहा- मैं फिलहाल सिंगल हूं और बहुत लंबे समय से किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। दरअसल, मैं पूरी लाइफ में सिर्फ डेढ़ रिश्तों में रहा हूं। मैं आपको बता नहीं सकता हूं कि मैं अपने सिंगल स्टेटस का कितना आनंद लेता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं इसे अभी बदल सकता हूं।

अब 50 की उम्र में पार्टनर की जरूरत नहीं है: करण ने आगे कहा- जब मैं 40 साल का था, तब मुझे पार्टनर की कमी महसूस होती थी। लेकिन 50 साल की उम्र तक पहुंचने पर ये कमी महसूस नहीं होती। मैं इसे ब्लॉक नहीं कर रहा हूं, लेकिन मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। मैं कई एजेंसी के पास गया हूं, ब्लाइंड डेट्स पर गया हूं और विदेशों में कई लोगों से मिलना भी हुआ है। इतना सब कुछ करने के बाद भी मुझे कोई अच्छा पार्टनर नहीं मिला, इसलिए अब इसकी जरूरत भी नहीं लगती। करण जौहर के वर्क फ्रंट की बात करें तो आने वाले समय में उनकी प्रोड्यूस की गईं फिल्में बैड न्यूज, जिगरा, धड़क 2 रिलीज होने वाली हैं।

दंपती में कहासुनी के बाद पत्नी ने लगाई फांसी

कहासुनी के बाद घर से निकल गया था पति, बाहर खेल रहा था सात साल का बच्चा, अंदर मां ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोलार थाना क्षेत्र स्थित दशहरा मैदान बंजारी में गुरुवार शाम एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि आत्महत्या से पहले उसका पति से विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। मृतका के परिजन ने पति को आत्महत्या का जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आज मृतका का पीएम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार संजू मालवीय पति पूरन सिंह (28) दशहरा मैदान बंजारी में पति और सात साल के बच्चे के साथ रहती थी। संजू ने आठ साल पूर्व पूरन सिंह से प्रेम विवाह किया था। पूरन सिंह बिट्टन मार्केट में एक दुकान पर मैकेनिक है। प्रेम विवाह करने के कारण संजू और पूरन सिंह की अपने अपने परिवार से दूरी बन गई थी।

पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस

संजू के पड़ोसियों ने गुरुवार शाम पुलिस को सूचना दी थी कि संजू ने अपने घर पर फांसी लगा ली है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद संजू का शव पीएम के लिए भेज दिया।

विवाद के बाद घर से गया था पति

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि पूरन सिंह को शराब पीने की लत थी। इसी के कारण उसकी पत्नी से आए दिन कहासुनी होतीड़थी। गुरुवार शाम भी पत्नी से कहासुनी होने के बाद वह घर से निकल गया था। जबकि सात साल का बेटा बाहर खेल रहा था। अनुमान है कि कहासुनी से दुखी होकर संजू ने कमरे में फांसी लगा ली। इसी बीच पड़ोस में रहने वाली महिला का संजू के घर जाना हुआ और उसने संजू की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखकर पुलिस को सूचना दी थी।

पोस्ट ऑफिस से रिटायर्ड बुजुर्ग ने फांसी लगाकर दी जान

गंभीर बीमारी से थे परेशान, सुसाइड नोट बरामद

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरज नगर सेवनिया गौड़ में पोस्ट आफिस से रिटायर्ड बुजुर्ग ने फांसी लगा ली। उनके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होने का जिक्र किया है। इसके अलावा लिखा है कि मंदिर नहीं बनने से परेशान हूं। लोगों ने मंदिर की जगह पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने यह भी लिखा है कि मेरा शरीर काम नहीं कर रहा है। सुसाइड नोट में उन्होंने किसी पर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाए हैं। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 65 साल के कन्हैयालाल पटेल, पोस्टऑफिस से रिटायर्ड थे और सूरज नगर, सेवनिया गौड़ रातीबड़ में अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनकी कोई संतान नहीं है। दंपती की थोड़ी बहुत जमीन थी और उसी पर डुप्लेक्स बना लिया था। उम्र दराज दंपती ने कार चलाने के लिए ड्राइवर रखा हुआ था।

ड्राइवर ने देखी फंदे पर लाश: गुरुवार सुबह कन्हैयालाल की पत्नी ऊपर वाले ब्लॉक में बने किचन में नाश्ता बना रहीड़थी। नीचे कन्हैयालाल अकेले थे। साड़े 8 बजे के आसपास उनका ड्राइवर घर पहुंचा था। ड्राइवर ने नायलोन की रस्सी के सहारे कन्हैयालाल को रोशनदान पर फांसी के फंदे पर लटका देखकर उनकी पत्नी को जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कन्हैयालाल पटेल की तलाशी ली तो उनकी जेब में एक पर्ची मिली। पर्ची में उन्होंने लिखा कि मेरा शरीर साथ नहीं दे रहा है। मैं बीमारी से परेशान हूं। इसके अलावा बाबा रामदेव का मंदिर बनाने का पूरा प्रयास किया था, लेकिन लोगों ने मंदिर के जगह पर कब्जा कर रखा था। इससे मंदिर निर्माण नहीं हो रहा था।

मोटरसाइकिलें भी ले उड़े बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा इलाके से बदमाश दो मोटर सायकिलें भी चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक अजय सेन (24) टीला जमालपुरा में रहते हैं और नाई की दुकान चलाते हैं। बुधवार की सुबह करीब 9 बजे उन्होंने अपनी बाइक हलालपुरा स्थित शिखर टावर के पास खड़ी की और काम से बैरागढ़ चले गए। करीब दो घंटे बाद वापस लौटे तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इसी प्रकार इशहाक अहमद (67) सहकारिता विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी हैं और नूर महल पायगा में रहते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपनी बाइक लालघाटी स्थित मस्जिद के सामने खड़ी की और नमाज पड़ने के लिए चले गए। कुछ समय बाद वापस लौटे तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कुत्ते के काटने पर मालिक पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित रामानंद नगर में रिश्तेदारी में गए एक व्यक्ति को कुत्ते ने काट लिया। पुलिस ने उक्त मामले में कुत्ते के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार कमल अग्रवाल (55) दुर्गेश विहार कालनी जेके रोड पर रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। मंगलवार को वह रामानंद नगर कोहेफिजा में रहने वाले अपने रिश्तेदार के यहां गए थे। रात करीब पौने 9 बजे घर के बाहर निकले, तभी प?ोस में रहने वाले भास्कर नामक व्यक्ति ने अपना कुत्ता खोल छो? दिया, जिससे कुत्ते ने कमल अग्रवाल के पेट पर काट लिया। यह कुत्ता पहले भी रिश्तेदार को काट चुका था। पुलिस ने कमल की रिपोर्ट पर मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

व्यापारी का आईफोन छीनकर भागे लुटेरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र महिंद्रा शोरूम के पास हलालपुरा में बाइक सवार लुटेरों ने व्यापारी के हाथ से मोबाइल छीन लिया। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे के आसपास की है। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर बाइक सवार तीनों लुटेरों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र सदाना (40) सुखमनी टावर, विजय नगर लालघाटी में रहते हैं और हनुमानगंज थाने के पीछे जूते चप्पल की दुकान का संचालन करते हैं। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे उन्होंने अपनी कार ओमनगर लालघाटी में रहने वाली बहन के घर के सामने पार्क की। इसके बाद घर की तरफ पैदल जाने लगे। कुछ दूर चलकर वह महिंद्रा शोरूम हलालपुरा पहुंचे थे, तभी बाइक सवार तीन बदमाश उनके पीछे से आए और जितेंद्र के हाथ पर झपट्टा मारकर आईफोन छीन लिया। जितेंद्र ने शोर मचाया, लेकिन उसके पहले ही तीनों बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस ने जितेंद्र की रिपोर्ट पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शादी से पहले बनाए शारीरिक संबंध, दहेज की मांग करने पर प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा कार्यकर्ता पर एफआईआर दर्ज, पंद्रह जुलाई को मानस भवन में होनी थी शादी

महिला थाना पुलिस ने निजी कंपनी में काम करने वाली युवती की शिकायत पर भाजपा कार्यकर्ता कृष्ण कुमार प्यासी और उनके परिजन के खिलाफ बलात्कार समेत दहेज प्रताड़ना की धाराओं में मामला दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि एक साल लिव इन रिलेशन में रहने के बाद कृष्ण कुमार ने शादी से पहले दहेज की मांग की और शादी करने से इंकार कर दिया।

पुलिस के अनुसार 39 साल की युवती गोविंदपुरा इलाके में रहती हैं। मूलत- रीवा की रहने वाली युवती यहां एक निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रिश्तेदारों के माध्यम से उनका परिचय जहांगीराबाद निवासी कृष्ण कुमार प्यासी से हुआ था। कृष्ण कुमार सतना का रहने वाला है और खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताता था। युवती का आरोप है कि परिचय होने के बाद दोनों में शादी की बात हुई थी। चार दिन बाद पंद्रह जुलाई को दोनों की शादी मानस भवन में होनी थी। इससे पूर्व ही कृष्ण कुमार प्यासी और परिजन सुधा प्यासी समेत मुन्नीदेवी ने दहेज की मांग शुरू कर दी। युवती का कहना है कि उसने पहले ही बताया था कि उसके माता पिता नहीं है और भाई शादी का खर्च जमीन बेचकर उठाएगे। बावजूद इसके प्यासी परिवार दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहा था और शादी से कुछ दिन पूर्व ही शादी करने से मुकर गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। रातीबड़ इलाके में अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया. उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल युवक के भाई की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बाणगंगा निवासी शाहबाज अली एसी टेक्नीशियन का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बीती चार जुलाई को उनका छोटा भाई अमन अली (22) अपने मामा के घर ग्राम फतेहपुर डोबरा रातीबड़ गया था। शाम करीब चार बजे बाइक से वापस लौटते समय ईसाई कब्रिस्तान के सामने अज्ञात कार चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमन चलने में असमर्थ है, इसलिए उसके भाई ने थाने जाकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुहावना मौसम

भोपाल। पिछले एक सप्ताह से राजधानी में हो रही रुक-रुककर बारिश से मौसम सुहावना हो गया।

नित्य सेवा सोसायटी से लापता नाबालिगों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया स्थित नित्य सेवा सोसायटी से लापता हुए नाबालिगों का अब तक पुलिस को कोई सुराग नहीं लगा है। मामला नाबालिगों से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण का मामला दर्ज नाबालिगों की तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि मंजू यादव (40) चांदबड़ स्थित नित्य सेवा सोसायटी में काम करती हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल के दो बालक पिछले करीब चार साल से यहां रह रहे थे। मंगलवार की सुबह करीब दस बजे बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी की जा रही थी, तभी गिनती करने पर दो नाबालिग कम निकले। सोसायटी द्वारा दोनों बालकों की तलाश की गई, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

हम्माल की गर्दन पर चाकू से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज स्थित सब्जी मंडी में हम्माली करने वाले एक युवक पर दूसरे युवक ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक गोलू यादव (32) मूलत- रायपुर छत्तीसगऊड़ का रहने वाला है। फिलहाल वह सब्जी मंडी हमीदिया रोड पर रहता है और हम्माली करता है। बुधवार की सुबह करीब ग्यारह बजे वह मंडी में हम्माली कर रहा था, तभी सलमान नामक युवक पहुंचा और पुरानी रंजिश के चलते उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर राजधानी में नहीं थम रहा चोरी की वारदातों का सिलसिला

शहर के कई मकानों से जेवरात और नकदी समेत हजारों की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के विभिन्न इलाकों में स्थित सूने मकानों से चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक बैरसिया में रहने वाली सावित्री बाई के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और 35 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए. इसी प्रकार ईंटखेड़ी में रहने वाले अभिषेक अहिरवार की मोटर सायकिल चोरी चली गई। इधर कटारा हिल्स स्थित शंकराचार्य सेफरान कालोनी निवासी मिथलेश पटेल के घर से जेवरात और नकद रुपए चोरी चले गए। कान्हाकुंज कोलार रोड निवासी शुभम थापा के घर से सोने की बाली और नकदी बारह सौ रुपये समेत अन्य सामान चोरी हो गया। इसी प्रकार बावडिया कला शाहपुरा से तीस हजार रुपए कीमत का लोहा चोरी हो गया। पुलिस ने अनमोल साहू की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसके अलावा हबीबगंज मार्केट गोविंदपुरा से अर्जुन यादव, गांधी मार्केट पिपलानी से कृष्णनंद राव, अकबरपर कोलार रोड से राजू और कनक मैरिज गार्डन करोंद निशातपुरा से अनुज मैना की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022